A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 11 मार्च, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 183, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

वर्ल्ड कप की हार भुला टीम इंडिया ने कैसे जीते दो बड़े खिताब?

प्रवीण

2007 की हार के बाद वर्ल्ड कप जीतना मेरा ख्वाब बन गया। मैंने उसे चुनौती की तरह लिया। मैंने खुद से कहा कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहता हूँ। यह एक चुनौती थी और मैंने इसके लिए काम किया।

2011 में टीम इंडिया ने जब 28 साल बाद वर्ल्ड कप जीता तो सचिन तेंदुलकर ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में ये बात कही। वो सचिन तेंदुलकर का आखिरी वर्ल्ड कप था। विराट कोहली उस वक्त टीम इंडिया के उभरते हुए सितारे थे। रोहित शर्मा उस वर्ल्ड कप का हिस्सा तो नहीं थे, लेकिन उनमें भी टीम इंडिया का फ्यूचर देखा जा रहा था। 12 साल बाद टीम इंडिया बेहद करीब आकर वर्ल्ड कप का खिताब जीतने से चूक गई। लेकिन सचिन की तरह रोहित शर्मा की टीम ने भी खिताब जीतने को एक चुनौती की तरह ही लिया।

और इस चुनौती से पार पाते हुए टीम इंडिया ने 15 महीने के अंतराल में ही दो बड़े खिताब जीत लिए हैं। 29 जून को 2024 को दक्षिण अफ्रीका को हराकर टीम इंडिया ने टी 20 वर्ल्ड कप जीता था और अब 9 मार्च 2025 को भारतीय टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग और धोनी जैसे सितारों से सजी टीम इंडिया पहले दौर में ही बाहर हो गई थी।

उसके बाद टीम इंडिया ने जोरदार कमबैक किया और 6 महीने बाद ही पहला टी20 वर्ल्ड कप जीता। 2011 में टीम इंडिया 28 साल बाद वनडे वर्ल्ड जीती और फिर 2013 में दूसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की।

इस टूर्नामेंट को इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा की वापसी के तौर पर भी देखा जाता है। इसी टूर्नामेंट में रोहित शर्मा को ओपनिंग करने का मौका मिला और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा। लेकिन इसके बाद खिताबी जीत के लिए लंबे इंतजार का सिलसिला शुरू हो गया। 2014 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लेकिन फाइनल में श्रीलंका ने टीम इंडिया को छह विकेट से हराया और ख़िताब जीतने से रोक दिया।

2015 वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का सफर सेमीफाइनल में थम गया। 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई। 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को पाकिस्तान ने 180 रन से मात दी। 2019 के वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को हराया।

2021 में न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी जीतने से रोका। उसी साल भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाई। 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का सफर सेमीफाइनल तक ही रहा। 2023 के आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी भारतीय टीम के हाथ निराशा लगी।

2023 में वर्ल्ड कप भारतीय ज़मीन पर खेला जा रहा था। लगातार 10 मैच जीतते हुए टीम इंडिया ने ऐसा जज़्बा दिखाया था कि वो बीते 10 साल की गलतियों को दोहराना नहीं चाहती है। लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को मात देकर रोहित शर्मा की टीम के वर्ल्ड कप जीतने के खिताब को तोड़ दिया। उस हार के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने मायूस चेहरों के साथ ये जरूर सोचा होगा कि आखिरी ऐसा क्या किया जाए कि आखिरी पलों में खिताब उनके हाथ से नहीं निकले। पिछले टी 20 वर्ल्ड कप से ही साल 2023 की हार से टीम इंडिया के उबरने का सिलसिला आठ महीने बाद शुरू हो गया। भारतीय टीम में वो भरोसा आया कि वो नामुमकिन लग रहे मुकाबलों में भी वापसी कर सकती है। भारत ने सात रन से फ़ाइनल मुकाबला जीता और 11 साल से चल रहा आईसीसी टूर्नामेंट हारने का सिलसिला थम गया।

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने कहा था 'बीते तीन-चार साल में हम पर क्या गुजरी है उसे बयां नहीं किया जा सकता। हमने टीम के तौर पर कड़ी मेहनत की। इस जीत के बाद बहुत कुछ पीछे छूट गया है।'

'ऐसा नहीं है की ये जीत पहली बार मिली है। हम तीन-चार साल से कड़ी मेहमन कर रहे थे। नतीजा आज मिला है। हमने बहुत सारे दबाव वाले मुकाबले खेले. लेकिन नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया। हमें समझ आया कि क्या करने की जरूरत है। आज उसका एक उदाहरण है। हमें मालूम चला कि कैसे वापसी की जाती है। हम एक टीम की तरह डटे रहे।' टी 20 वर्ल्ड कप में मिली जीत के सिलसिले को टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में आगे बढ़ाया। पूरे ही टूर्नामेंट में भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज कमाल के फॉर्म में नजर आए।

पांचों मैचों में एक बार भी भारतीय गेंदबाजों ने विरोधी टीम को 300 रन बनाने नहीं दिए। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 10 खिलाड़ियों में तीन भारतीय शामिल रहे।

वरुण चक्रवर्ती भारत का 'ट्रंप कार्ड' साबित हुए और उन्होंने तीन मैच में ही 9 विकेट हासिल कर लिए। मोहम्मद शमी भी पांच मैच में 9 विकेट लेने में कामयाब रहे। कुलदीप यादव को पांच मैच में सात विकेट मिले।

वहीं टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 15 खिलाड़ियों में पांच भारतीय खिलाड़ियों का नाम शुमार है। श्रेयस अय्यर ने 243 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने टूर्नामेंट में 218 रन स्कोर किए। ये इस बात का उदाहरण है कि टीम के सभी खिलाड़ियों ने किस तरह टीम की जीत में योगदान दिया और चैंपियंस ट्रॉफी के किसी भी मुकाबले में विरोधी टीम को बिना किसी मुश्किल के मात दे दी। फाइनल मुकाबले में 76 रन की पारी खेलने के लिए कप्तान रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

रोहित शर्मा ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। हमने बहुत अच्छी क्रिकेट खेली और नतीजे भी हमारे पक्ष में रहे। मैं अटैकिंग क्रिकेट खेल रहा हूं। इससे कई बार नतीजे आपके पक्ष में नहीं जाते हैं। इसलिए मुझे बल्लेबाजी में डेप्थ चाहिए थी। जडेजा का आठवें नंबर पर होना भरोसा देता है। मेरे दिमाग में सबकुछ साफ था कि मुझे क्या चाहिए।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

विधानसभा बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से हुई

किसानों को 20 लाख सोलर पंप देंगे : राज्यपाल

काले नकाब पहनकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण से हुई। राज्यपाल ने कहा, अगले 3 साल में किसानों को 20 लाख सोलर पंप बांटे जाएंगे। 5 रुपए में सिंचाई के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। नर्मदा घाटी विकास योजना और जल संसाधन विभाग की मदद से प्रदेश की सिंचाई क्षमता 50 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अगले 3 साल में 100 लाख हेक्टेयर तक हो जाएगी। नदी जोड़ो परियोजना मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलेगी।

21 मिनट तक चले अभिभाषण में राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान यानी गरीब, युवा, किसान और महिला वर्ग के विकास के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कामों का जिक्र किया। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन में दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बजट सत्र के पहले दिन की खास बातें

राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा- युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण मिशन बनाया गया है। किसानों के भविष्य में सुधार और उनकी आय बढ़ाने के लिए किसान कल्याण मिशन बनाया गया है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख 89 हजार प्रधानमंत्री आवास बनाने का लक्ष्य है। योजना में मध्यप्रदेश देशभर में पहले स्थान पर है। पीएम आवास शहरी के पहले चरण में 8 लाख 33 हजार आवास बनाए गए हैं। इसमें मध्यप्रदेश देशभर में दूसरे स्थान पर है।

बजट सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायक मुंह पर काले नकाब लगाकर विधानसभा पहुंचे। हाथों में तख्तियां लेकर गांधी प्रतिमा पर नारेबाजी की।

राज्यपाल ने राज्य सरकार की नीति और नीयत का रोड मैप किया है प्रस्तुत

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के विधानसभा में अभिभाषण पर उनका आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य सरकार की नीति और नीयत का रोड मैप प्रस्तुत किया है। मंगलवार को विधानसभा में विस्तार से चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत को समर्थ, सक्षम बनाते हुए सबका साथ-सबका विकास और सर्वजन सुखाय-सर्वजन हिताय के भाव को चरितार्थ करना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनी गई हमारी सरकार, इस संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सत्र में अगले वित्तीय वर्ष का बजट आने वाला है, यह बजट जन भावनाओं के अनुरूप होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा में यह विचार व्यक्त किए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के साथ प्रदेश औद्योगीकरण तथा अन्य विकास गतिविधियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के नए टाइगर रिजर्व का शुभारंभ चंबल क्षेत्र में हो रहा है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना से चंबल क्षेत्र के श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, सहित संपूर्ण बेल्ट में पानी की उपलब्धता रहेगी। इससे सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त आपूर्ति के साथ-साथ औद्योगिक गतिविधियों के लिए भी जल उपलब्ध रहेगा, परिणामस्वरूप क्षेत्र में कृषि तथा औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होगा।

विस का घेराव प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूटा

विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाई, जमकर किया हंगामा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन भोपाल में किसान कांग्रेस विधानसभा का घेराव करने इकट्ठा हुई। रंगमहल चौराहे पर प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूट गया।

जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान समेत 10 से ज्यादा कांग्रेसी घायल हुए हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, प्रवक्ता रोशनी यादव सिद्धांता अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में हैं। पूर्व विधायक रवि जोशी और शैलेंद्र पटेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर में हैं।

घटना की थोड़ी देर बाद ही किसान कांग्रेस के कार्यकर्ता आगे बढ़े। पुलिस ने वाटर कैनन से सभी को रोक लिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती। कांग्रेस किसानों के हक के लिए आवाज उठाती है तो वाटर कैनन छोड़ा जाता है, लाठीचार्ज किया जाता है। कांग्रेस सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि मंच टूटने से लोग उनके ऊपर गिर गए। कार्यकर्ताओं ने घायलों को गोद में उठाकर गाड़ियों और एम्बुलेंस तक पहुंचाया।ॉ मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान लहूलुहान नजर आए।

घायल कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह का ऑपरेशन- प्रदर्शन में घायल हुए कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह के एक हाथ के ऊपरी हिस्से में कंधे के पास सरिया घुसने से आर्टरी, नसें कट गई हैं। सिद्धांता हॉस्पिटल के डॉयरेक्टर डॉ. सुबोध वार्ष्णेय ने बताया कि पिछले करीब 3 घंटे से राजीव सिंह की सर्जरी चल रही है। इसमें तीन-चार घंटे और लगेंगे। हालांकि खतरे से बाहर हैं, लेकिन हाथ में बहुत गहरा घाव है।

काशी में मसाने की होली खेली

एक तरफ चिताओं से उठता धुआं है, दूसरी तरफ राख की होली...

काशी (एजेंसी)। काशी में आज मसाने की होली खेली जा रही है। इस दिन सड़कें श्मशान की राख से पटी रहती हैं। कोई चेहरे पर क्रीम-पाउडर की तरह राख थोपा रहता है, तो कोई चिता भस्म में खुद को डुबो लेता है। किसी के गले में नर कंकाल, रुद्राक्ष की मानिंद हिलोरे लेती हैं। कोई जिंदा सांप मुंह में रस्सी की तरह दबाकर नृत्य का हुनर दिखाता है।

अघोरियों के शरीर पर जानवरों की खाल खद्दर की तरह लिपटी है और वो रमता जोगी की तरह डमरू की ताल पर थिरक रहे हैं। एक तरफ चिताओं से उठता धुआं है, दूसरी तरफ राख की होली...यहां रंज-ओ गम और जश्न का गुलाल है। यानी खुशी और गम साथ-साथ। आम इंसान जो चिता की राख से दूर भागता है, वो भी इस दिन इसे प्रसाद मानकर एक चुटकी राख के लिए घंटों इंतजार कर रहा है। भीड़ इतनी कि पैर रखने तक की भी जगह नहीं है।

काशी में होली से 4-5 दिन पहले ही मसाने की होली की शुरुआत हो जाती है। इसके लिए न सिर्फ देशभर से बल्कि बड़ी संख्या में विदेशी भी यहां मसाने की होली खेलने आते हैं। यही वजह है काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास एक भी होटल या गेस्ट हाउस खाली नहीं मिलते। रास्ते में जगह-जगह अघोरी बाबा करतब दिखा रहे हैं। कोई हाथ में नाग लेकर घूम रहा है, तो कोई आग से खेल रहा। चिता की भस्म हवा में इस तरह घुली है कि दूर-दूर तक मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा। हरिश्चंद्र घाट पर दिन-रात शव जलते रहते हैं। यहां के मुख्य आयोजक पवन कुमार चौधरी हैं।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

कुल जोड़ से खुद को घटा कर बात करो,
ज़रा इस आवरण को हटा कर बात करो।

आईना तो रोज़ ही देखते हो मगर,
कभी हमसे भी तो नज़रें मिला कर बात करो।

सच बोलने में तो बुराई कोई नहीं मगर,
जुबां पे थोड़ी मलाई भी लगा कर बात करो।

वो गश्त देता हैं रात भर ये सोचते हुए,
किसी को तो नींद से अब जगा कर बात करो।

आग दिल में लगे और रौशनी दिमागों में हो,
फिर से वही आग अब लगा कर बात करो।

नाम का पत्थर लगा है खूब हो मशहूर पर,
कभी तो इस नाम को हटा कर बात करो।

हमसे कह दिया सब सच अभी मगर,
जो अंदर छिपा लिया वो बता कर बात करो।

– गोविन्द गुँजन

योगी सरकार के पांच बड़े फैसले

गेहूं खरीद से मेडिकल कॉलेजों तक के लिए निर्णय, सैफई विकास पर भी फोकस

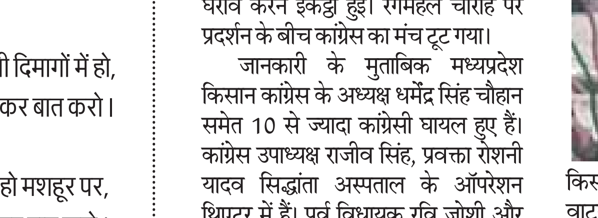

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सूबे की योगी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक की गई। बैठक लोकभवन में आयोजित की गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। सभी को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई है। इन प्रस्तावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं।

64 साल बाद रमजान के जुमा पर होली

लखनऊ (एजेंसी)। होली साल में एक बार पड़ती है, जुमे की नमाज तो हर सप्ताह पड़नी है। स्थगित भी हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति नमाज पढ़ना ही चाहता है तो अपने घर में पढ़ सकता है। जरूरी नहीं कि वह मस्जिद में ही जाए। जाना है तो रंग से परहेज न करें। सीएम योगी आदित्यनाथ का यह बयान संभल के सीओ अनुज चौधरी के बयान के बाद रविवार को आया। अनुज चौधरी ने कहा था- अगर रंग से परहेज है तो नमाज घर में ही पढ़ लेना। दरअसल, इस बार 64 साल के बाद होली रमजान के जुमे के दिन मनाई जाएगी। इसलिए होली और नमाज से जुड़े बयान चर्चा में हैं। इस दिन होली भी है और रंग खेला जाएगा इसलिए पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

महादेव को कविता और संगीत की अद्वितीय मेल से किया नमन

उज्जैन में विक्रमोत्सव

उज्जैन से डॉ. जफर महमूद

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव में गीतकार आलोक श्रीवास्तव एवं प्रख्यात गायक क्षितिज तारे ने अपने मधुर गीतों से उत्सव में चार चांद लगाये। उनके गायन का उत्कर्ष पहली प्रस्तुति महादेव मंत्र से ही प्रकट होने लगा। उन्होंने भूत-भावन बाबा महाकाल को कविता और संगीत की अद्वितीय मेल से नमन किया। प्रस्तुति में आध्यात्म और भक्ति के संगम ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। उन्होंने शिव तांडव स्तोत्र, महाकुंभ ऑफ़िशियल एंथम और अयोध्या के श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के गीत की प्रस्तुति दी।

धार्मिक आध्यात्मिक नगरी उज्जयिनी में 125 दिवसीय विक्रमोत्सव से पूरे नगर में उत्सव का माहौल बना हुआ है। कालिदास अकादमी, सम्राट विक्रमादित्य शोध पीठ और विक्रम व्यापार मेले के मंच पर निरंतर स्तरीय कार्यक्रमों की श्रृंखला जारीसारी है। यह उत्सव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की संकल्पना को साकार कर रहा है। उत्सव की कमान मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार और सम्राट विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री राम तिवारी के अनुभवी हाथों में है।।

इससे पूर्व संध्या को जनजातीय भाषा एवं बोलियों का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ। जनजातीय भाषाओं समेत स्थानीय बोलियों मालवी, हाड़ोती, मेवाड़ी, निमाड़ी, अवधी, बुन्देली के देश के जाने-माने कवियों ने अपनी भावपूर्ण कविताओं से साहित्य रसिकों से दाद हासिल की। उन्होंने अपनी कविताओं में भारत की प्राचीन कला, संस्कृति खासकर अपनी विरासत के सम्मान में रचनाओं को प्रस्तुत किया। निमाड़ी में माँ सरस्वती का वंदन किया गया। मेवाड़ी और मालवी की कविताओं ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। कवि सम्मेलन में गीतकार दुर्गादान सिंह गौड़ का सारस्वत सम्मान किया गया। उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। राजस्थान के कोटा से आए गीतकार दुर्गादान सिंह गौड़ को हाड़ोती का नीरज कहा जाता है। उन्होंने हाड़ोती में गीत और गजल प्रस्तुत किये। उदरपुर के दिनेश बंटी ने मेवाड़ी रचनाओं से सभी को हँसाया। सनावद के दीपक पगारे निमाड़ी में कहते है, बाबूजी तम सहेर म जाई न निमाड़ी खऽ भूली गया। बिराणी सी नातों जोड़्यो न घर की माड़ी खऽ भूली गया। बाराबंकी के विकास बोखल ने अवधी में कहा जनता कै सब उत्साह औ जुनून चला गा। वादा रहै मई का पूरा जून चला गा। सोचित है हमरे क्षेत्र का विकास कब होई, बुधुआ चुनाव जीता हनीमून चला गा।

विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद के वरिष्ठ सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, कवि दिनेश दिग्गज, पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने कवि सम्मेलन में आए कवियों का स्वागत किया। सम्मेलन का संचालन उज्जैन के कवि अशोक भाटी ने किया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22°c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 11 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

लोकसभा में विपक्ष ने किया जमकर हंगामा

● पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे, इस पर चर्चा होनी चाहिए: राहुल ● विपक्ष चाहता है गड़बड़ी पर चर्चा हो, डीएमके सांसदों का ट्राय-लैंग्वेज पर हंगामा

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा फेज सोमवार को हंगामे के साथ शुरू हुआ। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- देशभर में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। पूरा विपक्ष बस यही कह रहा है कि वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए।

इससे पहले सुबह सदन शुरू होते ही लोकसभा में डीएमके सांसदों ने हंगामा किया। डीएमके सांसद नई शिक्षा नीति (एनईपी) और ट्राय-लैंग्वेज को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के करीब पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

केंद्र सरकार ने एनईपी के तहत तीन भाषाएं पढ़ाए जाने का प्रावधान किया है। इसमें स्थानीय भाषा के अलावा अंग्रेजी और हिन्दी पढ़ाना अनिवार्य किया गया है। तमिलनाडु सरकार इसका विरोध कर रही है। उसका

कहना है कि हम पर हिन्दी जानबूझकर थोपी जा रही है। डीएमके सांसद इसी का विरोध कर रहे हैं।

विवाद पर शिक्षा मंत्री ने कहा- डीएमके के लोग बेईमान हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। उनका एकमात्र काम भाषा की बाधाएं खड़ी करना है। वे राजनीति कर रहे हैं। वे अलोकतांत्रिक और असभ्य हैं।

विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट किया- कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने सोमवार को राज्यसभा से वॉकआउट किया। विपक्षी नेता डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र, अमेरिकी फंडिंग के मुद्दों पर नोटिस खारिज किए जाने से नाराज थे। हालांकि जेपी नड्डा ने कहा कि नियमों के तहत हम सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

प्रधान बोले- तमिलनाडु सरकार को पीएम श्री एलोकेशन देने में कोई आपत्ति नहीं

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति और तीन भाषाओं के विवाद पर कहा- जिनके पास कोई तथ्य नहीं है, वे केवल हल्ला करके विषय को भ्रमित करना चाहते हैं। पिछले दिनों भारत सरकार की तमिलनाडु सरकार से चर्चा हुई थी। इसमें समझौते का एक रास्ता भी निकला था। उसी रास्ते पर तमिलनाडु सरकार राजी हो जाए, हमें उन्हें पीएम श्री एलोकेशन देने में कोई आपत्ति नहीं है। हम उनसे बार-बार अनुरोध करते आए हैं। तमिलनाडु में पीएम श्री स्कूलों में केवल तमिल भाषा ही शिक्षा का माध्यम होगी। तमिलनाडु सरकार का विरोध क्या है? मुझे यह समझ में नहीं आता है। पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र सभी पीएम श्री और नई शिक्षा नीति को लागू कर रहे हैं। कोई किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहा है। वे सिर्फ राजनीति कर रहे हैं।

नीतीश कुमार को लगा झटका

जेडीयू की टॉप लीडरशिप में आया 'क्रेक' 3 दिग्गजों ने छोड़ी पार्टी

मधेपुरा (एजेंसी)। प्रदेश राजद कार्यालय पटना पहुंचकर बिहारीगंज विधानसभा के पूर्व राजद प्रत्याशी इं. प्रभाष कुमार के नेतृत्व में जदयू नेताओं ने राजद की सदस्यता ली। जिनमें जदयू के प्रदेश महासचिव रामकृष्ण मंडल, शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव दयानंद शर्मा व जदयू नेता अविनाश राम शामिल हैं। प्रधान महासचिव रणविजय साहू, मुख्यालय प्रभारी मुकुंद सिंह, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद के समक्ष तीनों नेताओं ने राजद की सदस्यता ली।

गढ़वा के पटाखा दुकान में आग से 5 की मौत

सीएम हेमंत ने दिए जांच के आदेश

गढ़वा (एजेंसी)। झारखंड-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र में पटाखा दुकान में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। घटना गोदरमाना गांव की है, जो झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

रेड के बाद बोले पूर्व सीएम बघेल- 33 लाख रुपए ले गई ईडी

दुर्ग (एजेंसी)। सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल के घर ईडी ने छापेमारी की। यह जांच करीब 10 घंटे तक चली। टीम के जाने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि, 32-33 लाख रुपए और दस्तावेज टीम ले गई है। इसमें मंतूराम केस की पेनड्राइव भी है। करीब सुबह 8 बजे भूपेश और उनके बेटे चैतन्य के भिलाई-3 पदुमनगर स्थित घर पर चार गाड़ियों में ईडी की टीम पहुंची थी। दोपहर में कार्रवाई के बीच नोट गिनने और सोना जांचने की मशीनें भी मंगाई गई। इस बीच ईडी की कार पर बाहर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस की झड़प भी हुई। अब आज कांग्रेस प्रदेशभर में ईडी की कार्रवाई के विरोध में भाजपा और ईडी का पुतला दहन करेगी।

एअर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-119 को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। 8 घंटे 37 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में 19 क्रू मेंबर्स समेत 322 यात्री सवार थे।

यूपी में बड़ा हादसा

करंट की चपेट में आने से मां समेत दो बेटों की मौत

झांसी (एजेंसी)। पुलिस ने बताया कि घटना दोपहर करीब 3 बजे हुई है। हर कंवर पत्नी स्व. धर्म दास कुशवाहा निवासी ग्राम बंगरा उम्र करीब 65 वर्ष अपने पुत्र काशीराम कुशवाहा उम्र 45 वर्ष और नरेंद्र कुशवाहा उम्र 32 वर्ष के साथ बंगरा स्थित अपने खेत में गेहूं की फसल में पानी लगा रही थीं कि तभी अचानक बिजली का करंट लगने से तीनों लोगों की मृत्यु हो गई।

डाइटिंग से लड़की की मौत, लगातार भूखा रहने से हालत बिगड़ी

कन्नूर (एजेंसी)। केरल के कन्नूर जिले में 18 साल की लड़की श्रीनंदा की मौत हो गई। श्रीनंदा ने वजन बढ़ने के डर से अधिक डाइटिंग शुरू कर दी थी, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा। लगातार भूखा रहने और सख्त डाइट के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई। डॉक्टरों ने कहा है कि कोई भी डाइट या फिटनेस प्लान अपनाने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है। श्रीनंदा को पहले कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया था, लेकिन बाद में हालत बिगड़ने पर उन्हें थलास्सेरी अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया। हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद वह बच नहीं पाई और उनकी मौत हो गई।

राम मंदिर में अब प्रभु के दर्शन के साथ लीलाएं भी देख सकेंगे रामभक्त

● यह सभी काम अगले दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे : अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर परिसर में अब सिर्फ रामलला के दर्शन ही नहीं होंगे बल्कि श्रद्धालु भगवान श्रीराम से संबंधित जो भी प्रसंग हैं, वह भी देख सकेंगे। भगवान राम के जन्म से लेकर लंका विजय तक की सारी लीलाएं अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से देख सकेंगे। राम मंदिर परिसर में एक वर्ष के अंदर रामकथा संग्रहालय यानी म्यूजियम भी बनकर तैयार हो जाएगा। इस पर राम मंदिर भवन निर्माण समिति और राम मंदिर ट्रस्ट दोनों ने काम शुरू कर दिया है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने

सोमवार को बताया कि म्यूजियम में कितनी गैलरी होगी, उसमें क्या रखा जाएगा, बैठक में यह सब तय कर लिया गया है। अब म्यूजियम में बनने वाली गैलरी और उसकी अलग-अलग स्क्रिप्ट इसके डायरेक्टर लिखेंगे।

भगोड़े ललित मोदी की वानुअतु की नागरिकता रद्द

पोर्ट विला (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर और भगोड़े ललित मोदी की वानुअतु की नागरिकता रद्द होगी। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने नागरिकता आयोग को ललित मोदी को जारी पासपोर्ट रद्द करने का आदेश दिया है।

राजस्थान में किसान बनकर सरकार से ठग लिए 826.66 लाख रुपये !

विधानसभा में उठा सवाल, कहीं अधिकारियों की मिलीभगत तो नहीं!

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में करोड़ों रुपये की हेरफेर हुई है। हजारों लोगों ने योजना के लिए अपात्र होते हुए सरकारी योजना में पैसा उठाया है। इस विषय में अबसहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार ने सोमवार को विधानसभा में जानकारी है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अनुचित लाभ लेने वाले अपात्र व्यक्तियों से शीघ्र वसूली की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत इस कार्यवाही को अंजाम दिया जाएगा।

पाली जिले में इस योजना के तहत अनुचित तरीके से राशि हस्तांतरित किए जाने के मामलों की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) को नियुक्त किया गया है। राज्यमंत्री ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान विधानसभा में हुई चर्चा, राशि वसूलने के निर्देश जारी- सहकारिता राज्यमंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान इस विषय पर पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि योजना के प्रारंभ में कृषकों द्वारा दिए गए घोषणा पत्र के आधार पर ही लाभ राशि हस्तांतरित की जाती थी।

बाद में केंद्र सरकार की ओर से भूमि की रिपोर्ट अपलोड करने को अनिवार्य किया गया।

एक और 'ससुरालटॉर्शन' !

आठ पन्नों का अंग्रेजी में सुसाइड नोट सास-पत्नी के ताने ने छीनी जिंदगी

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार में अतुल सुभाष जैसा केस सामने आया है। मामला भागलपुर के बबरगंज थाना क्षेत्र का है। यहां एक युवक ने फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दीपक कुमार (26) के रूप में हुई है। घटना मोदीनगर इलाके की है, जहां दीपक का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक ने आत्महत्या से पहले 8 पन्नों का एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने अपनी पत्नी, सास-ससुर सहित चार लोगों का जिक्र किया है।

शादी के एक साल बाद ही छोड़कर चली गई थी पत्नी- मिली जानकारी के अनुसार, दीपक ने अपने 8 पन्नों के सुसाइड नोट में लिखा कि वह काफी परेशान था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। शादी के एक साथ बाद ही पत्नी छोड़कर चली गई। तीन साल हो गए। कई बार घर वालों ने पत्नी को लाने का प्रयास किया। लेकिन, ससुराल वालों ने आने

नहीं दिया। अब मैं जिंदगी से हार चुका हूं। आज आप लोगों से विदा ले रहा हूं। दीपक ने अपने सुसाइड नोट में चार लोगों को जिक्र किया है, इनमें पत्नी राखी राय, सास रीता राय, बदन प्रसाद और कुणाल किशोर राय का नाम शामिल है। मृतक दीपक ने अपने नोट में न्याय की मांग की है।

पत्नी को लेने गया तो साले ने दीपक के साथ की मारपीट- बंटी कुमार- मृतक के भाई बंटी कुमार ने बताया कि मृतक भाई दीपक की शादी चार साल पहले झारखंड के साहिबगंज में राखी राय के साथ हुई थी। शादी के एक साल बाद ही उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई, क्योंकि दीपक किराना दुकान चलाता था। जबकि पत्नी ज्यादा कमाने के लिए कहती थी।

तनिष्क शोरूम से 25 करोड़ के गहने लूटकर भागे बदमाश

2 बदमाशों को गोली मारकर कुछ ज्वेलरी बरामद की; 4 आरोपी माल लेकर भागे

आरा (भोजपुर) (एजेंसी)। बिहार में आरा के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम में सोमवार को 6 बदमाश 25 करोड़ की ज्वेलरी लूट ले गए। बदमाशों का पीछा कर रही पुलिस ने फायरिंग की। दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास से कुछ ज्वेलरी बरामद की।

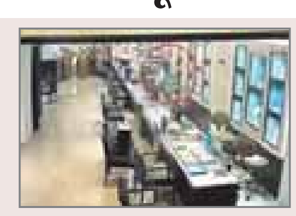

4 बदमाश लूटी हुई ज्वेलरी लेकर भाग गए। शोरूम के स्टोर मैनेजर कुमार मृत्युंजय ने बताया, 'शोरूम में 50 करोड़ से ज्यादा के जेवरात थे। अपराधियों ने 25 करोड़ के गहने लूट लिए हैं।

राजस्थान के गवर्नर बोले

रेपिस्ट को नपुंसक कर छोड़ देना चाहिए

महिलाओं पर अत्याचार करने वालों की पिटाई हो, शिवाजी ने हाथ-पैर तुड़वा दिए थे

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को भरतपुर में रेप की घटनाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- रेप करने वाले लोगों को नपुंसक कर छोड़ देना चाहिए, तब ऐसे अपराध कम होंगे। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों की पिटाई करनी चाहिए।

गवर्नर बागड़े सोमवार को भरतपुर जिला बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। कार्यक्रम महात्मा गांधी पशु चिकित्सालय महाविद्यालय के ऑडोटोरियम में हुआ। राज्यपाल पहले सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद वे ऑडिटोरियम में पहुंचे। वहां बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस दौरान गवर्नर ने रेप की वारदातों को लेकर मंच से बयान दिया।

अपराधियों में कानून का डर दिखाई नहीं देता- गवर्नर ने कहा- कानून से अपराधियों को डर लगता है या नहीं, ये नहीं मालूम। 12 साल से कम उम्र वाले बच्चे-बच्ची से किसी ने छेड़छाड़ की, किसी ने रेप या कुकर्म किया तो उसे फांसी की सजा है। फिर भी ऐसे अपराध रुक नहीं रहे।

'मैं सदमे में हूं', कोर्ट में रो पड़ी अभिनेत्री रान्या राव

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बेंगलुरु (एजेंसी)। दुबई से सोना तस्करी मामले में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को 3 दिन की हिरासत खत्म होने के बाद सोमवार को आर्थिक अपराध न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने रान्या राव को 24 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले पुलिस से पूछताछ के दौरान अभिनेत्री ने कहा कि मुझे फंसाया जा रहा है। मैं सोना तस्करी गिरोह से नहीं जुड़ी हूं। 3 मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करोड़ों रुपये के सोने के साथ अभिनेत्री को डीआरआई ने पकड़ा था।

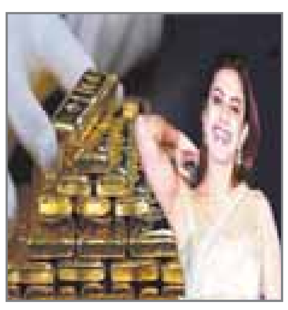

फरवरी में घरेलू वेज थाली की कीमत 1 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत फरवरी में (सालाना आधार पर) 1 प्रतिशत घटकर 27.2 रुपए हो गई। पिछले साल फरवरी 2024 में वेज थाली की कीमत 27.5 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने अपनी 'आर आर आर' राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत जनवरी की तुलना में फरवरी में 5 प्रतिशत घटी है। जनवरी में वेज थाली की कीमत 28.7 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली 6 प्रतिशत महंगी- वहीं नॉन-वेज थाली की कीमत फरवरी में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 57.4 रुपए हो गई। पिछले साल फरवरी 2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 54 रुपए थी।

खाटू मेले में पुलिस ने श्रद्धालुओं को थप्पड़ मारे

बाबा श्याम के नगर भ्रमण के दौरान बढ़ी भीड़, हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल

सीकर (एजेंसी)। खाटू में फाल्गुनी एकादशी पर 125 किलो चांदी से बने डेढ़ करोड़ रुपए के भव्य रथ में बाबा श्याम नगर भ्रमण पर निकले। रथयात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण में पुलिस की सख्ती देखने को मिली। रथ को छूने के लिए उमड़ी भीड़ को पुलिस ने धक्का-मुक्की कर हटाया। कुछ श्रद्धालुओं को थप्पड़ भी मारे।

यात्रा प्राचीन श्याम कुंड से शुरू होकर, अस्पताल चौराहा और पुराना बस स्टैंड होते हुए मुख्य बाजार के कबूतर चौक पर समाप्त हुई। हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए गए। भक्तों पर ठंडे पानी और इत्र की बौछार की जा रही है।

रविवार रात से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़

गुलमर्ग में मॉडल्स ने खुले में रैंप वॉक किया

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। कश्मीर के गुलमर्ग में 8 मार्च को एक फैशन शो हुआ था। आरोप है कि शो में कई मॉडलों ने बर्फ पर रैंप वॉक किया। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। स्थानीय लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि सरकार रमजान में ऐसे फैशन शो के आयोजन की अनुमति कैसे दे सकती है?

इस मामले पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विधायकों ने चर्चा की मांग की।

‘संरक्षण और सुरक्षा’ ध्येय के साथ समर्पित भाव से कार्यरत है सीआईएसएफ : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कर्तव्य निर्वहन के लिए सी.आई.एस.एफ. के सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों की राष्ट्रभक्ति को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों, दिल्ली मेट्रो, हवाई अड्डों एवं प्रमुख ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा प्रदान करने वाला केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ‘संरक्षण और सुरक्षा’ के ध्येय वाक्य के साथ राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित भाव से निरंतर कार्यरत है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.माधवराव सिंधिया की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समर्पित एवं दूरदर्शी नवाचारों से स्व. माधव राव सिंधिया ने प्रगति को नए आयाम दिए और जन- जन के जीवन को खुशहाल बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। देश के विकास के लिए उनके प्रखर विचार और योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेंगे।

प्रदेश के 700 हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रारंभ होगी व्यावसायिक शिक्षा

स्कूल शिक्षा विभाग ने केन्द्र सरकार को भेजा प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लागू की जा रही नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रत्येक बिंदु को ठोस तरीके से लागू किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में तेजी से बढ़ती हुई विश्व की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का किस प्रकार से योगदान हो उसकी चिंता की गई है। बढ़ती हुए आबादी के साथ जनता के लिये उनकी शिक्षा, कौशल और आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार का सृजन एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दे रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शैक्षणिक सत्र में 700 नये उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नये ट्रेड एवं जॉब रोल्स शुरू करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग को भेजा है। यह ट्रेड 21वीं सदी के नवीन कौशल उन्नयन पर आधारित है। वर्तमान में 2383 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के कोर्स चल रहे है। इन्हें मिलाकर प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा देने वाले स्कूलों की संख्या 3 हजार से अधिक हो जायेगी। इन कोर्स में उन्नत कृषि को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। डेयरी विकास से जुड़े कोर्स कन्स्ट्रशन ट्रेड अंतर्गत मेशन सहायक, कंस्ट्रशन पेन्टर, असिस्टेंट डिजाइनर, फैशन, हाउसकीपिंग, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट के जॉब रोल्स भी प्रारंभ किये जायेंगे।

वर्तमान में संचालित कोर्स में कक्षा 9 और 10 में डाटाएंट्री ऑपरेटर, जूनियर फील्ड टेकनिशियन, असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट, रिटेलस्टोर, ऑपरेशन असिस्टेंट, प्रायवेट सिक्योरिटी गॉर्ड, फूड एण्ड बेवरीज, सर्विस असिस्टेंट, माइक्रो फ़ाइनेंस एग्ज़ीक्यूटिव, असिस्टेंट प्लम्बर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट, इलेक्ट्रॉनिक सर्विस असिस्टेंट और फिजिकल एजूकेशन असिस्टेंट विषय प्रमुख है, कक्षा 11 और 12 में जिन कोर्स को प्राथमिकता दी गई है। उनमें जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर, सौलर पैनल टेक्नीशियन, ड्रोन सर्विस टेक्नीशियन, सीसीटीबी, फुटेज ऑपरेटर, फ्लोरीकल्चर, सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर प्रमुख है।

4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा

प्रदेश में वर्तमान में 2383 विद्यालयों में 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा देने के लिये 4 हजार 700 से अधिक शिक्षकों को विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश में संचालित व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये है।

होली से पहले रेलवे ने चलाई 20 स्पेशल ट्रेन

एमपी के भोपाल-इंदौर समेत कई स्टेशनों से गुजरेगी, 6 ट्रेन में बढ़ेंगे एक्स्ट्रा कोच

भोपाल (नप्र)। होली पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त यातायात को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने मध्य प्रदेश के लिए कई विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। ये ट्रेनें राज्य के प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा, सतना और अन्य क्षेत्रों को जोड़ती हैं। होली पर्व के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। बता दें, रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेन देश भर के यात्रियों के लिए चलाई हैं। जिसमें 20 ट्रेनें मध्य प्रदेश के अनेक स्टेशनों से गुजरेंगी। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि ट्रेनों के बारे में जानकारी के लिए एनटीईएस एप के अलावा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से प्राप्त कर सकते हैं।

एमपी में पारा हुआ 37 डिग्री पार

भोपाल, इंदौर-उज्जैन संभाग में असर बढ़ा, रतलाम-नर्मदापुरम सबसे गर्म

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दिन का तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर संभाग में दिन का तापमान 1 से 4 डिग्री बढ़ गया। रतलाम सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा। नर्मदापुरम, मंडला-शिवपुरी में भी पारा उछाला है।

मौसम विभाग के मुताबिक, दिन-रात के तापमान में और बढ़ोतरी होगी। सोमवार को सबसे ज्यादा गर्म ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग थे, भोपाल में टेम्प्रेचर 35 डिग्री पार हो सकता है।

बर्फीली हवा का असर घटा

बर्फीली हवा चलने से प्रदेश में चार दिन तक कड़ाके की ठंड पड़ी। इससे भोपाल समेत कई शहरों में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। कई शहर में शीतलहर चली, जबकि रात का पारा 6 डिग्री तक पहुंच गया। राजगढ़, शाजापुर, उमरिया, मंडला, नौगांव और मलाजखंड जैसे छोटे शहर सबसे ठंडे रहे, लेकिन अब पारे में बढ़ोतरी होने लगी है। बर्फीली हवा का असर घटने से ऐसा हो रहा है। इस कारण रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है।

बड़े शहरों में उज्जैन-इंदौर सबसे गर्म

बड़े शहरों की बात करें तो रविवार को उज्जैन और इंदौर सबसे गर्म रहे। उज्जैन में 36.5 डिग्री, इंदौर में 35.2 डिग्री, भोपाल में 34.5 डिग्री, ग्वालियर में 33.4 डिग्री और जबलपुर में 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसी तरह रतलाम में 37.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 36.8 डिग्री, मंडला-शिवपुरी में 36 डिग्री, सिवनी में 35.4 डिग्री, दमोह में 35.2 डिग्री, गुना में 35.1 डिग्री, धार, नरसिंहपुर, टीकमगढ़-खजुराहो में 35 डिग्री, खरगोन में 34.8 डिग्री, बैतूल में 34.2 डिग्री और मलाजखंड में पारा 34 डिग्री पहुंच गया। इधर, रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। शनिवार-रविवार की रात में नर्मदापुरम, खंडवा में 20 डिग्री से अधिक रहा।

होली पर महिला स्व-सहायता समूहों की पहल

550 और 750 रुपये के हैंपर में गुलाल, गुजिया समेत कई पारंपरिक उत्पाद शामिल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने होली के अवसर पर विशेष हैंपर की बिक्री शुरू की है। यह पहल महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना और घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देना है।

मिशन ने दो तरह के हैंपर तैयार किए हैं। एक हैंपर 550 रुपये का है और दूसरा 750 रुपये का। इन हैंपर में जैविक गुलाल और होममेड गुजिया रखी गई है। साथ ही महुआ के लड्डू, मूंगफली के लड्डू, गमछा और कढ़ी लड्डू जैसे पारंपरिक उत्पाद भी शामिल हैं।

ये विशेष हैंपर भोपाल के कई प्रमुख स्थानों पर उपलब्ध हैं। इनमें पीएचक्यू, राग भोपाली, बल्लभ भवन और विकास भवन शामिल हैं। रानी कमलापति, भोपाल रेलवे स्टेशन, जिला पंचायत और आजीविका मार्ट पर भी हैंपर मिल सकते हैं। मैरियट होटल और पर्यावास भवन पर भी इनकी बिक्री की जा रही है।

यह पहल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ महिला सशक्तिकरण में भी मदद करेगी।

आयकर विभाग ने पकड़ी 200 करोड़ की टैक्स चोरी

सतना, दिल्ली, जबलपुर, रायपुर, जगदलपुर में पांच दिन चली जांच

भोपाल (नप्र)। सतना, जबलपुर, जगदलपुर, रायपुर और दिल्ली में आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी में 200 करोड़ रुपए की अघोषित आय का खुलासा हुआ है। इस टैक्स चोरी की जांच पांच शहरों के 44 ठिकानों पर की गई थी। सभी कारोबारी बिजनेस के चलते आपस में जुड़े हुए थे। अफसरों ने इनके यहां से 6.50 करोड़ रुपए की ज्वेलरी और नकदी जब्त की है। सतना में पड़े छापे में पांच बड़े कारोबारी नरेश गोयल, सुनील सेनानी, अतुल मेहरोत्रा, संतोष गुप्ता और सीताराम अग्रवाल शामिल हैं। आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने 4 मार्च को सतना समेत पांच शहरों में छापे मारे थे। गाड़ियों में शादी के स्टिकर लगाकर पहुंची इनकम टैक्स टीम ने पांच दिन तक जांच के बाद सर्च पूरी कर ली है।

सोमानी के मॉल के वैल्यूएशन करा रहा इनकम टैक्स

आयकर विभाग के महानिदेशक इन्वेस्टिगेशन सतीश गोयल ने बताया कि इस कार्रवाई में सोमानी ग्रुप के मॉल का वैल्यूएशन कराया जा रहा है। इसके अलावा बाकी कारोबारियों के एक होटल और दो घरों का भी वैल्यूएशन कराया जा रहा है। अगर इन प्रॉपर्टीज की वैल्यू कारोबारियों द्वारा बताई गई राशि से अधिक आई तो टैक्स चोरी का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

50 लाख के फ्लैट में 25 लाख का कैश लेन-देन

आयकर महानिदेशक सतीश गोयल के निर्देश पर प्रधान आयकर निदेशक अमरेश सिंह, संयुक्त निदेशक जीके शर्मा की टीमों ने जांच की। यहां कैश में काफी लेनदेन मिला। 50 लाख रुपए के फ्लैट में 25 लाख रुपए का कैश भुगतान किया गया। इसके अलावा सिविल कांट्रेक्टर मेहरोत्रा के यहां से भारी मात्रा में बोगस बिल जब्त किए गए। इनके यहां कर्मचारी के नाम पर फर्म बनाकर बोगस बिल तैयार किए जा रहे थे। अन्य कारोबारी रामा ग्रुप के यहां से भी स्टील के काम में बोगस परचेजिंग का खुलासा हुआ है। इन ग्रुपों के यहां हुई कार्रवाई में इन्वेस्टमेंट के भी डाक्यूमेंट्स मिले हैं, जिसकी पड़ताल की जा रही है।

सीढ़ी लगाकर घर में घुसे थे अफसर, बीमार हुआ एक कारोबारी

सतना में जांच के दौरान सीताराम अग्रवाल के यहां पहुंची टीम को घर में घुसने नहीं दिया गया। इसके बाद टीम गेट पर सीढ़ी लगाकर अंदर घुसी थी। इसी कार्रवाई के दौरान कांट्रेक्टर अतुल मेहरोत्रा को बीमार होने पर अस्पताल ले जाया गया था। जांच टीम को इनके ठिकानों से भारी मात्रा में ज्वैलरी मिली थी। जिसमें से लिमिट के दायरे में आने वाली ज्वैलरी को छोड़ बाकी को जब्त किया गया है।

भोपाल में कारोबारी सौरभ अग्रवाल के यहां आयकर का सर्वे

नेताओं, अफसरों के संपर्क में रहा है, जल्द होगा अघोषित आय का खुलासा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को चूना भट्टी स्थित एक प्रतिष्ठान में टैक्स चोरी के मामले में कारोबारी के यहां आयकर सर्वे शुरू किया है। टैक्स चोरी के मामले में जांच के दायरे में आए कारोबारी को पूर्व मुख्य सचिव का करीबी बताया जा रहा है। कार्यवाही शुरू होने के बाद आयकर अफसरों की टीम दस्तावेजों और नकदी व जेवरात की पड़ताल में जुटी है।

सोमवार को भोपाल में सौरभ अग्रवाल के यहां आयकर विभाग के अफसरों की टीम ने दबिश दी है। सौरभ के अल्फा परफेक्ट सॉल्यूशन और अन्य ठिकानों पर जांच में करोड़ों रुपए की कर चोरी की संभावना जताई जा रही है। जांच टीम सौरभ के कर्मचारियों से भी दस्तावेजों की पड़ताल के लिए पूछताछ कर रही है।

अफसरों, नेताओं से संपर्क- बताया जाता है कि सौरभ अग्रवाल के कई बड़े नेताओं और अफसरों से संपर्क हैं। उसके द्वारा इनके अघोषित आय का उपयोग अपने कारोबार में किया जा रहा था। पूर्व मुख्य सचिव का करीबी भी सौरभ को बताया जा रहा है, जिनके लिए वह काम करता रहा है।

राज्यसभा में सांसद नारोलिया बोलीं-

खतरे में मां नर्मदा, रेत उत्खनन, वनों की कटाई और प्रदूषण से संकट में नदी

नर्मदापुरम (नप्र)। राज्यसभा सांसद एवं महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने सोमवार को संसद में मां नर्मदा नदी को संरक्षण और संरक्षित करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने नर्मदा को ‘जीवित इकाई’ घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि अत्यधिक रेत उत्खनन, वनों की कटाई और अनियंत्रित प्रदूषण के कारण नदी संकट में है।

सांसद नारोलिया ने सदन में कहा कि प्रदेश के 16 जिलों से होकर बहने वाली नर्मदा नदी मध्य भारत की जीवन रेखा है। इसकी जलधारा पर लाखों किसान, श्रद्धालु और स्थानीय समुदाय निर्भर हैं। हालांकि, लगातार हो रहे अवैध रेत खनन, जंगलों की कटाई और बढ़ते प्रदूषण के कारण नर्मदा का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

‘जीवित इकाई’ का दर्जा देने की मांग- सांसद ने सरकार से मध्यप्रदेश में नर्मदा को ‘जीवित इकाई’ घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि नर्मदा सेवा मिशन के तहत राज्य सरकार ने सराहनीय कदम उठाए हैं, लेकिन सख्त पर्यावरण कानून, सतत जल प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता है।

नदी संरक्षण पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया- सांसद ने राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश राय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नर्मदा केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश और गुजरात के करोड़ों लोगों की जीवन रेखा है। उन्होंने नमामि गंगे और अन्य नदी पुनर्जीवन परियोजनाओं की सराहना करते हुए नर्मदा के लिए भी ऐसे सख्त कदम उठाने की जरूरत बताई।

बाइक-स्कूटी की भिड़ंत में मां-बेटी की मौत, 3 घायल

रिश्तेदार से मिलकर घर लौट रहीं थी, टक्कर के बाद ट्रक की चपेट में आई

धार (नप्र)। धार के इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर खरेली घाट में बाइक और स्कूटी की टक्कर में मां-बेटी की मौत हो गई। घटना सोमवार को सरदारपुर में हुई। सूचना मिलते ही अमझेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमझेरा भेजा। हादसे में मृतक महिला अवंती (55) और उनकी बेटी जया (24) धार के छत्रीपुरा की रहने वाली थीं। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी पर सवार महिला सामने आ रहे ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं। घायलों में संदीप, रंजीत और मनोज शामिल हैं, जो धार की अर्जुन कॉलोनी के निवासी हैं।

रिश्तेदारों से मिलने के बाद लौटते समय हुआ हादसा- जानकारी के अनुसार, मृतक मां-बेटी सरदारपुर के पास बिछिया गांव में अपने रिश्तेदारों से मिलने गई थीं। वापस धार लौटते समय ये हादसा हुआ। दोनों के शव को सिविल हॉस्पिटल सरदारपुर ले जाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

हादसे में मां-बेटी की मौत- अमझेरा थाना प्रभारी डॉ. आयुष जाखड़ (आईपीएस) ने बताया कि खरेली घाट पर बाइक व स्कूटी की भिड़ंत की सूचना मिली थी। पुलिस बल मौके पर पहुंचा था। हादसे में मां-बेटी की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही हैं।

‘मुझे गुजरात में आरएसएस के खिलाफ बोलने से रोका गया’

राहुल गांधी के बयान पर दिग्विजय सिंह ने लिखा- संघ हिंदुओं को गुमराह करता है

भोपाल (नप्र)। शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस के अंदर मौजूद लोगों के बारे में बात करते हुए कहा- कि कुछ लोग कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। जबकि कुछ बीजेपी से जुड़े हुए हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक्स पर लिखा।

संघ हिंदुओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता। वह केवल धर्म के नाम से हिंदुओं को गुमराह कर उनका शोषण करता है। उन्होंने कहा, हिंदुओं के धर्मगुरु शंकराचार्य जी की हजारों वर्षों की स्थापित परंपरा है। वह आज भी कायम है। उनमें से कौन से शंकराचार्य जी हैं जो आज भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के समर्थक हैं? बीजेपी शोषक तत्वों का समूह है। जिसका एक मात्र उद्देश्य है। लोगों को धर्म के नाम पर लूट कर सत्ता हासिल करना।

राहुल ने कहा था- नेताओं को जनता से जुड़ने की जरूरत है

शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सीनियर लीडर राहुल गांधी ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि, कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं हैं। कांग्रेस में बब्बर शेर हैं लेकिन शेरों के पीछे चेन लगी है, बंधे हुए हैं। आधे बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। राहुल ने कहा, ‘नेताओं को जनता से जुड़ने की जरूरत है। हमने भारत जोड़ो यात्रा में ये कर दिखाया है। हमारे नेताओं को जनता के पास जाने की जरूरत है।’ राहुल ने कहा, अगर हमें सख्त कार्रवाई करनी पड़े, 30-40 लोगों को निकालना पड़े तो निकाल देना चाहिए।

जयवर्धन बोले- राहुल गांधी ने की हर शिकायत पर कार्रवाई

दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा- जहां तक मुझे पता है जिन -जिन लोगों की शिकायत राहुल गांधी तक पहुंची है। उन पर राहुल जी ने कार्रवाई करवाई भी है। एक-एक कांग्रेस का नेता कार्यकर्ता मप्र में पूर्ण रूप से कांग्रेस के साथ है।

बीजेपी विधायक बोले- राहुल के ऐसे बयानों के कारण कांग्रेस डूब रही

राहुल गांधी के बयान और दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर खिलचीपुर से बीजेपी विधायक हजारीलाल दांगी ने कहा- राहुल गांधी पार्टी के पक्ष में नहीं, पार्टी के खिलाफ कई बार ऐसे स्टेटमेंट दे चुके हैं। उनके ऐसे स्टेटमेंट की वजह से ही कांग्रेस पार्टी दिन प्रतिदिन डूबती जा रही है और ये अच्छा रहेगा, तब तक पूरी पार्टी का सत्यानाश करके पार्टी को डूबा देगा। बीजेपी को फायदा होगा।

संपादकीय

चैंपियनी अंदाज में जीत

भारतीय क्रिकेट टीम ने एक साल के अंदर दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीतकर नया इतिहास रच दिया है। आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टीम इंडिया की इस जीत से समूचा भारत और क्रिकेट प्रेमी झूम उठे। और न झूमें, कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई ने पिछले साल जून में टी 20 वर्ल्ड कप और अब चैंपियन्स ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया है। यही नहीं, पिछले 4 मैचों में फ्लॉप रहे रोहित ने आखिरी मैच में 76 रन बनाकर प्लेयर आफ द मैच का खिताब भी अपने नाम किया। इस पूरे टूर्नामेंट में जिसकी मेजबान पाकिस्तान था और जिसमें भारतीय अकेली टीम थी, जिसने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में एक भी मैच नहीं खेला, चैंपियन्स के अंदाज में जीती। चाहे बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग अथवा जीत की रणनीति हो, हर डिपार्टमेंट ने अपनी जिम्मेदारी कुशलता से निभाई। भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जाहिर हुआ कि यह टीम अब किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं है। एक नाकाम होता है तो दूसरा मोर्चा संभाल लेता है। यही टीम वर्क है। खास बात यह है कि भारतीय क्रिकेट टीम जब जीत के संकल्प के साथ मैदान में उतरती है। इस जज्बे का नतीजा यह रहा कि टीम इंडिया शुरू से आखिर तक अजेय रही। विश्व की सभी प्रमुख टीमों को उसने धूल चटाई। न्यूजीलैंड को तो दो बार हराया। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा किरकिरी पाकिस्तान क्रिकेट टीम की हुई, जिससे पाक के लोगों ने कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचने की आस लगा रखी थी। लेकिन ये टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई। पाकिस्तान ने चैंपियन्स ट्रॉफी की मेजबानी इस उम्मीद में स्वीकारी थी कि इससे पाक क्रिकेट बोर्ड का आर्थिक भला होगा। लेकिन वैसा भी खास होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि पाक क्रिकेट टीम के लगातार हारते जाने से ज्यादा दर्शक भी टिकट खरीदकर स्टेडियमों में नहीं पहुंचे। यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ कुछ और बातों के लिए भी याद किया जाएगा और वो है अनावश्यक ट्रोलिंग तथा जीत के जश्न पर हिंसा। भारत में कांग्रेस की एक प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कप्तान रोहित शर्मा के कथित मोटापे को लेकर सोशल मीडिया पर अनावश्यक टिप्पणी की तो कुछ कट्टरपंथियों ने न्यूजीलैंड के साथ सेमीफाइनल के दौरान मैदान पर गेंदबाज मोहम्मद शमी द्वारा एनर्जी ड्रिंक पीने पर ट्रोल किया। हालांकि शमी के करीबी लोगों ने कहा कि उन्होंने रोजा रखा ही नहीं था। अच्छी बात यह रही कि देश में ज्यादातर लोग शमी के पक्ष में थे और देश के लिए उनके शानदार खेल की तारीफ कर उन्हें सच्चा देशभक्त मान रहे थे। तीसरा विवाद भारतीय टीम द्वारा अपने सारे मैच दुबई में खेलने को लेकर था। कुछ देशों के क्रिकेट प्रेमियों का आरोप था कि एक ही स्टेडियम के पिचों पर खेलने का लाभ टीम इंडिया को मिला और वो जीतती चली गई। जबकि बाकी टीमों को बार-बार दुबई और पाकिस्तान के बीच चक्कर लगाने पड़े। हालांकि इस आरोप में कोई दम नहीं था। इसी टूर्नामेंट में रोहित शर्मा ने उन अफवाहों को खारिज कर दिया कि वे अब वन डे क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। रोहित के साथ कोहली ने भी साबित किया कि उनमें अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। लिहाजा वो खेलते रहेंगे। निश्चय ही टीम इंडिया ने साबित किया कि इस वक्त वो दुनिया की नंबर वन क्रिकेट टीम है, जिसके पास आईसीसी के चार में दो खिताब हैं। चौथा है देश के कुछ शहरों में भारत जीत पर हुई साम्प्रदायिक हिंसा। इसके लिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

नजरिया

बलदेव राज भारतीय

लेखक इतिहास प्रवक्ता एवं स्तंभकार हैं।

विचारों के प्रदूषण से समाज को क्षति

जिस प्रकार विष एक स्वस्थ तन के ताने बाने को नष्ट कर उसे मिट्टी कर देता है, उसी प्रकार विषैले विचार एक स्वस्थ मन को रोगग्रस्त कर तन मन के साथ जीवन को भी नष्ट कर देते हैं। हम जब भी प्रदूषण की बात करते हैं, तो प्रायः हमारे मन में वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और मिट्टी के प्रदूषण की छवियाँ उभरती हैं। ये सभी प्रदूषण पर्यावरण को प्रभावित करते हैं और मानव जीवन के लिए संकट खड़ा करते हैं। लेकिन इन सबसे अधिक खतरनाक और विनाशकारी प्रदूषण यदि कोई है, तो वह है–विचारों का प्रदूषण। विचारों के प्रदूषण को प्रायः ज्यादा गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह वह मानसिक और नैतिक विकृति है, जो समाज की जड़ों को धीरे-धीरे खोखला कर रही है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह पूरे सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर सकता है।

विचारों का प्रदूषण किसी भी अन्य प्रदूषण की तरह व्यापक और हानिकारक होता है। जिस प्रकार वायु प्रदूषण सांस लेने योग्य शुद्ध वायु को जहरीला बना देता है, उसी प्रकार विचारों का प्रदूषण समाज के नैतिक और सांस्कृतिक वातावरण को दूषित कर देता है। इससे समाज में नकारात्मकता, कटुता, असहिष्णुता, और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ जन्म लेती हैं।

मनुष्य अपने विचारों से ही महान बनता है और उन्हीं से पतित भी होता है। विचारों की शुद्धता व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है, जबकि दूषित विचार उसे पतन की ओर धकेल देते हैं। विचारों का यह प्रदूषण किसी एक दिन में उत्पन्न नहीं होता, बल्कि धीरे-धीरे यह समाज की मानसिकता में घर कर लेता है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जिनमें प्रमुख हैं संस्कारों का पतन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी, लेकिन आधुनिक समाज में संयुक्त परिवारों का विघटन हो चुका है। माता-पिता के पास बच्चों के लिए समय नहीं है, और नैतिक शिक्षा की जिम्मेदारी केवल स्कूलों पर छोड़ दी जाती है।

दूसरा प्रमुख कारण बेलगाम सोशल मीडिया है। यह फिल्मों, और अन्य मनोरंजन के साधनों के माध्यम से अश्लीलता और हिंसा का बढ़ता प्रभाव विचारों को दूषित कर रहा है। आज के युवाओं को ऐसी सामग्री परोसी जा रही है जो उनके मानसिक विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है।

संयुक्त परिवार प्रणाली में जो संस्कार घर से ही मिल जाते थे, आज उनकी पूर्ति स्कूल से करने की अपेक्षा की जा रही है। परन्तु आज की शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक सफलता पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है, उसमें नैतिकता और सदाचार की शिक्षा पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। स्कूलों में बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, या वकील बनाने की कोशिश की

जाती है, लेकिन एक अच्छा इंसान बनाने के प्रयास नगण्य हैं।

आज समाज को स्वार्थ और भौतिकवाद बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। आधुनिक युग में भौतिक सुख-सुविधाओं की चाह इतनी बढ़ गई है कि लोग नैतिकता और ईमानदारी को भूलते जा रहे हैं। लोग केवल अपने फायदे के बारे में सोचने लगे हैं और दूसरों की भावनाओं और मूल्यों की परवाह नहीं करते।

विचारों का प्रदूषण धीरे-धीरे पूरे समाज को अपनी चपेट में ले लेता है और इसके कई हानिकारक प्रभाव होते हैं। जब लोगों के विचार दूषित हो जाते हैं, तो समाज में कटुता और असहिष्णुता बढ़ जाती है। लोग एक-दूसरे की भावनाओं और विचारों का सम्मान करना बंद कर देते हैं, जिससे समाज में आपसी मतभेद और संघर्ष बढ़ते हैं।

आज पारिवारिक व्यवस्था विघटित हो चुकी है। यह एक बहुत बड़ी सामाजिक दुर्घटना कही जा सकती है। विचारों का प्रदूषण परिवारों को भी प्रभावित करता है। जब परिवार के सदस्यों के विचार दूषित हो जाते हैं, तो उनमें प्रेम और सहयोग की भावना समाप्त हो जाती है। इससे तलाक, पारिवारिक कलह, और रिश्तों में दरारें बढ़ने लगती हैं।

विचारों के प्रदूषण का एक अन्य गंभीर प्रभाव अपराधों में वृद्धि के रूप में देखा जाता है। जब लोग नैतिक मूल्यों से विमुख हो जाते हैं, तो वे अपराध करने में संकोच नहीं करते। चोरी, हत्या, बलात्कार, और भ्रष्टाचार जैसी घटनाएँ बढ़ जाती हैं। आज की युवा पीढ़ी विचारों के प्रदूषण का सबसे बड़ा शिकार है। उन्हें सही और गलत का भान नहीं रहता, जिससे वे नशे, अश्लीलता, और अवैध कार्यों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। इससे समाज का भविष्य खतरे में पड़ जाता है।

जब समाज के विचार दूषित होते हैं, तो राष्ट्र की प्रगति भी बाधित होती है। भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, और आपसी संघर्ष राष्ट्र को कमजोर बना देते हैं। यदि विचारों का प्रदूषण बढ़ता रहा, तो कोई भी देश वास्तविक विकास नहीं कर सकता।

विचारों के प्रदूषण को रोकने के लिए समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को सही और गलत के बीच का अंतर समझाने के लिए विशेष कक्षाएँ चलाई जानी चाहिएँ। माता-पिता को अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए समय निकालना चाहिए। बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें नैतिकता की कहानियाँ सुनाना, और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कराना आवश्यक है।

सोशल मीडिया और मनोरंजन के साधनों पर नियंत्रण एक अन्य कारगर परंतु असंभव उपाय हो सकता है। सरकार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीवी, फिल्में, और सोशल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री नैतिक रूप से उचित हो। बच्चों और युवाओं को अनैतिक और हिंसक सामग्री से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित हो, बल्कि इसके माध्यम से नैतिकता और सदाचार का प्रचार किया जाना चाहिए। यदि हम समाज को सुधारना चाहते हैं, तो पहले हमें स्वयं को सुधारना होगा। हमें अपने विचारों को शुद्ध करने के लिए स्वाध्याय, ध्यान, और सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने विचारों को शुद्ध करने का प्रयास करेगा, तभी समाज भी शुद्ध हो सकेगा।

विचारों का प्रदूषण किसी भी अन्य प्रदूषण से अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह व्यक्ति के मन को दूषित करता है और पूरे समाज को पतन की ओर ले जाता है। यदि इस समस्या पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यह न केवल परिवार और समाज को, बल्कि पूरे राष्ट्र को खतरे में डाल सकता है। इस प्रदूषण का सबसे प्रभावी समाधान नैतिक शिक्षा, संस्कारों का उत्थान, और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण है।

जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने खर-दूषण जैसे राक्षसों का संहार किया था, उसी प्रकार हमें भी दूषित विचारों का नाश करके समाज को शुद्ध और नैतिकता की ओर अग्रसर करना होगा। तभी हम एक सशक्त, सभ्य और समृद्ध समाज की स्थापना कर पाएंगे। यही सशक्त, सभ्य और समृद्ध समाज ही एक उन्नत प्रगतिशील और विकसित राष्ट्र का आधार बन सकता है।

विश्व राजनीति

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन का भविष्य?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में, यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया गया है, क्योंकि अमेरिका कीव को रूस के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। इस बदलाव ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं, विशेष रूप से यू.एस. निर्मित पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की उपलब्धता के बारे में, जो कीव जैसे शहरों को रूसी हमलों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। यूरोपीय सहयोगियों के पास इन प्रणालियों का कोई प्रत्यक्ष विकल्प नहीं है, जिससे यूक्रेन जोखिम में पड़ सकता है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस पर नए प्रतिबंधों और टैरिफ़ पर विचार कर रहे हैं ताकि मास्को को शत्रुता समाप्त करने के लिए मजबूर किया जा सके। यह रणनीति प्रत्यक्ष सैन्य समर्थन से आर्थिक रणनीति में परिवर्तन को चिह्नित करती है। इन परिवर्तनों ने यू.एस.-यूक्रेन सम्बंधों पर दबाव डाला है और यूरोपीय सहयोगियों के साथ तनाव पैदा किया है, जो यूक्रेन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने पर्याप्त सैन्य ख़र्च पहल की घोषणा की है।

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यूएस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने फरवरी 2022 में रूस द्वारा पूर्ण रूप से आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता के साथ महत्वपूर्ण रूप से सहायता की है। विभिन्न सहायता पैकेजों के माध्यम से अधिकृत कुल निधि लगभग 175 बिलियन डॉलर तक पहुँच गई है, जिसमें सैन्य सहायता के लिए काफ़ी राशि आवंटित की गई है। हालांकि, हाल के बदलावों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, जिन्होंने रूस के साथ शांति वार्ता को प्रोत्साहित करने के प्रयास में यूक्रेन के साथ सभी सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया है। यूक्रेन की सैन्य स्थिति नाज़ुक बनी हुई है। चल रही सैन्य सहायता महत्वपूर्ण है; विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इसके बिना, यूक्रेन को युद्ध के मैदान में बड़ा नुक़सान हो सकता है।

अमेरिका उन्नत हथियारों और खुफिया जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है जिसने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मज़बूत किया है। यदि अमेरिकी सहायता कम हो जाती है या पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो विशेषज्ञों का मानना है कि इससे रूस की बड़ी ताकतों के खिलाफ अपनी रक्षा बनाए रखने की यूक्रेन की क्षमता में गंभीर बाधा आएगी। दूसरी ओर, यदि सहायता वर्तमान या बढ़े हुए स्तरों पर जारी रहती है, तो यह समय के साथ यूक्रेन की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है।

2022 में रूस के आक्रमण के बाद से भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने में अमेरिका और यूक्रेन के बीच सम्बंध महत्त्वपूर्ण रहे हैं। 2024 तक, अमेरिका ने यूक्रेन को 119 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता प्रदान की थी, लेकिन हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और बजट सीमाओं ने इस सहायता के भविष्य पर संदेह पैदा कर दिया है। इस अनिश्चितता का यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं और समग्र क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हाल ही में हुए आदान-प्रदान के दौरान तनाव को उजागर किया गया, जिससे अमेरिकी सैन्य और राजनयिक समर्थन की निरंतरता के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।

नियोजित राजनयिक दोपहर के भोजन को अचानक रद्द करना सद्भावना की कमी का संकेत देता है, जिससे कीव और यूरोपीय नेताओं में चिंता पैदा हो गई है। इसके अतिरिक्त, कई रिपब्लिकन राजनेताओं ने अमेरिकी सरकार की वर्तमान स्थिति का समर्थन किया है। अमेरिकी सैन्य सहायता में कमी रूस को यूक्रेन में अपनी कार्रवाइयों को तेज करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता शून्यता का लाभ उठाया जा सकता है। 2014 में क्रीमिया पर कब्ज़ा करने जैसे अमेरिकी निष्क्रियता के ऐतिहासिक उदाहरणों ने पुतिन को अपने विस्तारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन को अपनी रक्षा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, जिससे क्षेत्रीय नुक़सान का जोखिम हो सकता है। अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमानों की अनुपस्थिति यूक्रेन की हवाई श्रेष्ठता को कम कर सकती है, जिससे युद्ध के मैदान पर गतिशीलता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका की कम उपस्थिति मास्को को बीजिंग के करीब ला सकती है, जिससे वैश्विक शक्ति सम्बंधों को नया आकार मिल सकता है।

चीन के साथ रूस के बढ़ते आर्थिक सम्बंध, विशेष रूप से ऊर्जा निर्यात में, इस भू-राजनीतिक बदलाव को दर्शाते हैं। यूरोपीय देशों को अमेरिकी वापसी से छोड़े गए शून्य को भरने के लिए क़दम उठाने की आवश्यकता हो सकती है, जिससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव पड़ सकता है। जर्मनी और यू.के. ने पहले ही अमेरिकी अनिश्चितताओं के मद्देनजर नए सैन्य समर्थन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। एक विखंडित पश्चिमी गठबंधन संघर्ष में गतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक अस्थिरता बनी रह सकती है। कोरियाई युद्ध (1950-1953) इस बात की याद दिलाता है कि कैसे अनसुलझे महाशक्ति तनाव लंबे समय तक चलने वाले जमे हुए संघर्षों को जन्म दे सकते हैं। यूक्रेन से अमेरिका की कथित वापसी नाटो की सामूहिक रक्षा रणनीति को कमजोर कर सकती है। रूस की आक्रामकता को रोकने में असमर्थता बाल्टिक राज्यों और पूर्वी यूरोप के खिलाफ भविष्य के खतरों को भड़का सकती है। इससे यूरोपीय देशों पर सैन्य बोझ बढ़ेगा, जिससे उन्हें रक्षा ख़र्च बढ़ाने और सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

यूरोपीय संघ की नई ˘50 बिलियन की सहायता पहल का उद्देश्य संभावित अमेरिकी वापसी के प्रभावों को कम करना है। सत्ता का शून्य रूस को पूर्वी यूरोप में नाटो के संकल्प को चुनौती देने के लिए प्रेरित कर सकता है। मोल्दोवा और बाल्टिक में रूसी हाइब्रिड युद्ध की रणनीति दर्शाती है कि मॉस्को पश्चिमी कमजोरियों का परीक्षण कैसे करता है। रूसी गैस पर निर्भर यूरोपीय देशों को नए सिरे से ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि 2022 नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन तोड़फोड़ की घटना से उजागर हुआ, जिसने ऊर्जा युद्ध के लिए यूरोप की संवेदनशीलता को उजागर किया। जवाब में, यूरोपीय देश अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एक स्वतंत्र सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की कोशिश कर सकते हैं। यूक्रेन के लिए चल रहा अमेरिकी समर्थन यूरोपीय सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

स्मार्टफोन से शुरू, जिंदगी पर खत्म सट्टा

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

आज का युग तकनीक का युग है, जहाँ हर हाथ में स्मार्टफोन की चमक और हर नज़र के सामने डिजिटल दुनिया का सम्मोहन फैला है। यह चकाचौंध भरी दुनिया जितनी सुख-सुविधाओं का खज़ाना लेकर आई है, उतने ही गहन और खतरनाक अंधेरे भी साथ लाई है। इन अंधेरों में सबसे भयावह है ऑनलाइन सट्टेबाजी का वह जाल, जो भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पर काले बादलों की तरह छाया हुआ है। तकनीक के अनियंत्रित विस्तार और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की सहज उपलब्धता ने इस अवैध धंधे को चंद रातों में एक सुनियोजित और विशाल उद्योग में तब्दील कर दिया है। यह महज़ एक गैरकानूनी कारोबार नहीं, बल्कि एक ऐसी लाइलाज बीमारी है, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है और आर्थिक स्थिरता को नेस्तनाबूद करने की कगार पर खड़ी है।

स्थिति की भयावहता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि अक्टूबर से दिसंबर 2024 के महज़ तीन महीनों में परिमैच, स्टैक, 1एक्सबेट और बैटरी फर्स्ट जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी मंचों पर 1.60 अरब से ज़्यादा विजिट्स दर्ज की गईं। यह आँकड़ा उस विनाशकारी हकीकत का महज़ एक झरोखा है, जो इस उद्योग के राक्षसी आकार और प्रभाव को उजागर करता है। एक नीति समूह के हालिया आँकड़ों ने इस संकट की गहराई को और स्पष्ट किया है–अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी क्षेत्र में हर साल 100 अरब डॉलर (8.3 लाख करोड़ रुपये) से अधिक का लेन-देन हो रहा है, और यह हर साल 30त्र की चौंकाने वाली दर से बढ़ रहा है। यदि इस दानव को अभी नहीं कुचला गया, तो यह एक ऐसा नासूर बन जाएगा, जो हमारी सभ्यता की जड़ों को उखाड़ फेंकेगा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को अंधेरे में धकेल देगा।

इस काले कारोबार की जड़ें गहरी और बहुआयामी हैं। सबसे पहला और प्रमुख स्रोत है खेल सट्टेबाजी, जो क्रिकेट, फुटबॉल और टेनिस जैसे लोकप्रिय खेलों पर आधारित है। भारत में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक भावना है, और इसी भावना का शोषण यह उद्योग कर रहा है। खासकर आईपीएल जैसे टूर्नामेंट्स के दौरान यह कारोबार चरम पर पहुँच जाता है। देशभर में फैले हजारों बुकियों का संगठित तंत्र लोगों को झूठे मुनाफे का लालच देकर इस जाल में फँसाता है। एक बार इस दलदल में कदम पड़ जाए, तो निकलना असंभव-सा हो जाता है। दूसरा स्रोत है ऑनलाइन कैसीनो गेमिंग, जिसमें पोकर, ब्लैकजैक और रूले जैसे जुए के खेल शामिल हैं। ये खेल न केवल मनोरंजन के नाम पर लोगों को लुभाते हैं, बल्कि काले धन के प्रवाह को भी बढ़ावा देते हैं। यह एक ऐसा चक्रव्यूह है, जहाँ प्रवेश आसान है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं दिखाई नहीं देता।

तीसरा महत्वपूर्ण आयाम है सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स का दुरुपयोग। व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे मंचों पर सक्रिय हजारों सट्टेबाजी ग्रुप्स लोगों को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करते हैं। ये समूह विदेशी सर्वरों से संचालित होते हैं, जिसके चलते भारतीय कानून की पकड़ इन तक आसानी से नहीं पहुँच पाती। यहाँ तक कि साधारण नागरिक भी अनजाने में इन ग्रुप्स का हिस्सा बन जाते हैं और धीरे-धीरे इस व्यसन के शिकार हो जाते हैं। चौथा और सबसे चिंताजनक पहलू है प्रचार का वह भोंडा खेल, जिसमें बड़े-बड़े इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटीज मोटी रकम के बदले इन अवैध प्लेटफार्मों का गुणगान करते हैं। इनकी लोकप्रियता और विश्वसनीयता का फायदा उठाकर युवा पीढ़ी को इस जाल की ओर धकेला जा रहा है। यह एक ऐसा षड्यंत्र है, जो समाज के भविष्य को ही दाँव पर लगा रहा है।

इस मायाजाल से बाहर निकलने के लिए एक समग्र रणनीति की आवश्यकता है। सरकार को तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसे उपकरण विकसित करने चाहिए, जो इन प्लेटफार्मों की पहचान और निगरानी कर सकें। नागरिक समाज को जागरूकता फैलाने और लोगों को इस लत से बचाने के लिए आगे आना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में इसके दुष्परिणामों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। साथ ही, उन प्रभावशाली हस्तियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, जो अपने स्वार्थ के लिए इस आग में घी डाल रहे हैं। यह एक युद्ध है, जिसे जीतने के लिए हर स्तर पर संकल्प और संयम की जरूरत है।

अंत में, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि ऑनलाइन सट्टेबाजी का यह संकट एक राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। यह वह आँधी है, जो हमारे समाज की जड़ों को उखाड़ने और अर्थव्यवस्था की नींव को ढहाने की ताकत रखती है। समय रहते यदि हम जागे नहीं, तो यह काला बादल हमें अंधेरे में डुबो देगा। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जवाबदेही है कि हम इस मायाजाल को तोड़ें और अपने देश को इस दलदल से बाहर निकालें। आज का कदम ही तय करेगा कि कल का भारत समृद्ध होगा या इस संकट की भेंट चढ़ेगा। आइए, इस लड़ाई में एकजुट हों, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ स्वतंत्रता और सम्मान के साथ साँस ले सकें, न कि पछतावे और बर्बादी के बोझ तले दबकर।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. अतुल चतुर्वेदी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कभी झेल इसकी तो कभी झेल उसकी

कुछ लोगों की किस्मत में झेलना ही लिखा होता है। ऐसे ही हैं हमारे भैया जेलेंस्की उर्फ़ झेलेंस्की। झेलेंस्की नाम हमने उन्हें प्यार से उनके झेलू स्वभाव को देखते हुए दिया है। पहले वे अमेरिका और यूरोप के देशों की झेलते रहे परिणामस्वरूप उन्हें रूस का कोप झेलना पड़ा। अतीत में वो अमेरिका के कृपा पात्र थे नाटो नाटो कर के प्रवेश हेतु नाच रहे थे। बाद में उन्होंने पुतिन को मुँह चिढ़ाना शुरू कर दिया। जिसके दुष्प्रभाव को अब झेल रहे हैं। हज़ारों देशवासियों के प्राण गँवाने के बाद उनका आत्मविश्वास प्रणम्य है।

असल में, झेलने के लिए बड़ा बेशर्म और कठोर मन चाहिए जो हर किसी के पास नहीं होता। आत्मा को अंडरग्राउंड करना होता है और साहस का नकली मुखौटा ओढ़ना होता है तब जाकर आप किसी को झेल पाते हैं। लोग दस मिनिट का भाषण और आधा घंटे की किसी के मन की बात तक नहीं झेल पाते और अगला बड़बोले राष्ट्राध्यक्ष को वार्ता में इतनी देर झेल गया। हालांकि झेलेंस्की भिया ने प्रतिवाद भी किया और बहस भी की। सब कुछ ऐसा लगा जैसे किसी प्रहसन का रिहर्सल चल रहा हो। व्यंग्यात्मक टिप्पणी, उपहास, नोंक झोंक के साथ साथ स्टंट भी फ़िल्माया गया। दो देशों की इतनी गंभीर मुद्दे पर उच्चस्तरीय वार्ता का ऐसा रोमांचक चित्रण न कभी देखा गया न सुना गया।

मोहल्ले के गुंडे जैसे किसी को मकान खाली करने के लिए धमकाते हैं कुछ ऐसा छिछोरा टाइप माहौल था। भभकी पर भभकी दी जा रही थी और चूमटियाँ भरी जा रही थीं। आखि़र कोई बल्लेबाज़ कहाँ तक बॉल को डक करता। बात मीडिया के सामने हो तो अपनी इमेज भी बचानी होती है बाद में जाकर नरम पड़ जाओ वो नेपथ्य की बात है। आमतौर पर उच्चस्तरीय वार्ताएँ कृत्रिम मुस्कानों के साथ हाथ मिलाते हुए समाप्त होती हैं लेकिन यहाँ तो आरम्भ से ही तीर कमान निकल आए। बड़े गुंडे से छोटा भू मालिक अपनी जमीन और छवि बचाता दिखा।

मोहल्ले के दादाओं ने विश्व को अपनी जागीर समझ लिया। साधनहीन और विकासशील देश उनकी मूक रियाया हैं। सभी बड़े गुंडों ने जैसे सिंडिकेट बना ली हो मिलकर। लग रहा है पुरानी राजशाही के दिन लौट आए हों। तुम यूक्रेन की संपदा हड़प लो, मैं ताइवान हड़प लेता हूँ बाद में यूरोप के दूसरे मुल्क और हिन्द महासागर भी देख लेंगे ब्रेकफास्ट के लिए बुरा नहीं है इतना हिस्सा। भूख है कि मिटती नहीं, जीभ है कि संभलती नहीं लेकिन हम नहीं बोलेंगे। हम व्यापार संतुलन के तराजू का झुकाव देख रहे हैं। वे हमें रोज़ धमका रहे हैं और हम चैन की बंसी बजा रहे हैं। एक चुप सौ को हराती है और मौन से बड़ी कोई साधना नहीं, हम फ़िलहाल उसका ही अभ्यास कर रहे हैं। देखना एक दिन हमारा मौन रंग लायेगा और हमें टैरिफ़ कटौती का पुरस्कार मिल जाएगा। क्या कहा स्वाभिमान ? तो भाईसाहब झेलेंस्की कोई एक नहीं होता यह तो गुण धर्म है। आप जहाँ भी जाइएगा झेलेंस्की पाइयेगा। क्या आपके घर , मोहल्ले और ऑफिस में झेलेंस्की ब्रांड चरित्र नहीं होते। वे लोग जो हर बात पर हें हें करते रहते हैं। जिनको किसी अपमान का बुरा ही नहीं लगता। जो आपके भी सगे हैं और आपके निंदकों के भी सगे।

जो एक तरह से मान-अपमान, सुख-दुःख, यश-निंदा से ऊपर उठ चुके हैं। सच्चे स्थितप्रज्ञ हैं जो। वैसे ही हम हैं झेलेंस्की। न काहू से दोस्ती न काहू से बैर। वास्तविक निर्गुट। लेकिन निर्गुट होना निर्गुण और निरपेक्ष होना नहीं है। निर्बैर होइए लेकिन इतने निर्बल नहीं कि कोई कभी भी आपका कहीं भी चीरहरण कर ले, धमका दे और हमारी जुबान ही न खुले।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

निजी अस्पतालों के शुल्क सही करना सरकार का काम

एक याचिकाकर्ताओं ने अपनी लोकहित याचिका में निजी अस्पतालों को यह निर्देश देने की मांग की, कि वे रोगियों को केवल अस्पताल की फार्मेसियों से दवाइयां/डिवाइस/प्रत्यारोपण खरीदने के लिए मजबूर न करें। ये अस्पताल वस्तुओं के अधिसूचित बाजार मूल्यों की तुलना में अत्यधिक दरें वसूलते हैं। इस मुद्दे के समाधान के लिए उन्होंने सरकारों से अपेक्षित नीति बनाने का निर्देश देने की भी मांग की थी।

निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों/परिचारकों को केवल उन्हीं फार्मेसियों से दवा / प्रत्यारोपण / मेडिकल डिवाइस खरीदने के लिए बाध्य करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अधिसूचित बाजार दरों से अधिक शुल्क लेने के मामले को सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों को विचार करने और उचित समझे जाने पर नीतिगत निर्णय लेने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता, अस्पताल और औषधालय जैसे विषय सूची (राज्य सूची) में आते हैं। इसलिए राज्य सरकारें अपनी स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रासंगिक उपाय कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस संबंध में कोई अनिवार्य निर्देश जारी करना उचित नहीं होगा। इससे निजी क्षेत्र के अस्पतालों के लिए बाधा उत्पन्न हो सकती है। लेकिन, निजी अस्पतालों में अनुचित शुल्क या रोगियों के शोषण की कथित समस्या के बारे में राज्य सरकारों का संवेदनशील होना आवश्यक है।

न्यायालय ने यह सवाल भी उठाया कि क्या संघ/राज्यों के लिए नीति पेश करना विवेकपूर्ण होगा, जो निजी अस्पतालों के क्षेत्र में प्रत्येक गतिविधि को विनियमित करते हैं। विचार के लिए उठने वाले मुद्दों को निर्धारित करते हुए न्यायालय ने यह निष्कर्ष निकाला कि नीति निर्माता मामले के बारे में समग्र दृष्टिकोण लेने के लिए सबसे अच्छी तरह से सुसज्जित है। सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तैयार किए जाने चाहिए कि रोगियों और उनके परिचारकों का शोषण न हो। साथ ही निजी संस्थाओं के स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए कोई हतोत्साहन और अनुचित प्रतिबंध भी न हो।

इस लोकहित याचिका में याचिकाकर्ताओं ने निजी अस्पतालों को निर्देश देने की मांग की थी कि वे रोगियों को केवल अस्पताल की फार्मेसियों से दवाइयां / डिवाइस / प्रत्यारोपण खरीदने के लिए मजबूर न करें। यहां वे कथित तौर पर वस्तुओं के अधिसूचित बाजार मूल्यों की तुलना में अत्यधिक दरें वसूलते हैं। इस मुद्दे के समाधान के लिए उन्होंने संघ/राज्यों को अपेक्षित नीति बनाने का निर्देश देने की भी मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि अस्पताल की फार्मेसियों द्वारा अधिसूचित एमआरपी की तुलना में अत्यधिक कृत्रिम कीमतों पर दवाईयां आदि बेची जाती है। इनका यह भी कहना था कि केंद्र तथा राज्य दोनों ही मरीजों के शोषण को रोकने के लिए अपेक्षित विनियामक और सुधारात्मक उपाय करने में विफल रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भारत सरकार के इस रुख पर विचार किया कि मरीजों के लिए अस्पतालों/उनकी फार्मेसियों से दवाइयां आदि खरीदना कोई बाध्यता नहीं है। राज्यों/संघ शासित प्रदेशों ने याचिकाकर्ताओं के अधिकार पर सवाल उठाया। इनके द्वारा बताया गया कि सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए सरकारी अस्पतालों में अमृत दुकान / जन औषधि दुकान स्थापित की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्येक राज्य की अपनी विशिष्टता के आधार पर राज्य द्वारा संचालित योजनाओं पर भी ध्यान दिया। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दवाईयां, उपभोग्य वस्तुएं तथा मेडिकल सेवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराई जाएं। अंततः यह माना गया कि सभी को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत एक अधिकार है। हालांकि, नीति निर्माता ही इस मुद्दे से निपटने के लिए सबसे बेहतर तरीके से सक्षम है।

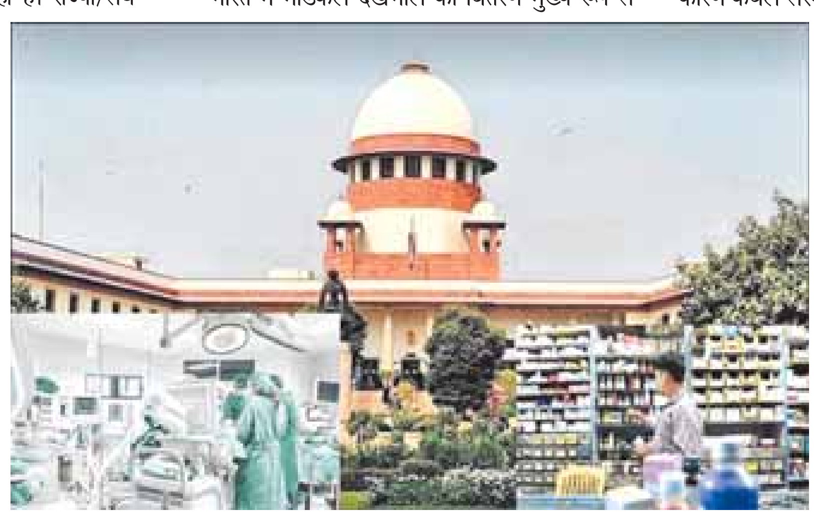

उक्त जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निजी क्षेत्र में अस्पताल प्रक्रियाओं की दरों को विनियमित करने के तरीके खोजने का निर्देश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने मोतियाबिंद सर्जरी की प्रक्रिया लागत के उदाहरण का उपयोग करते हुए समस्या पर प्रकाश डाला। इसकी लागत सरकार सेटअप में केवल दस हजार है। यही निजी अस्पतालों में तीस हजार से एक लाख चालीस हजार रुपये के बीच है। इसने नैदानिक प्रतिष्ठान (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 के नियम 9 को लागू किया। इसमें से खंड 2 की आवश्यकता है कि नैदानिक प्रतिष्ठान केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित और जारी की गई दरों की सीमा के प्रत्येक प्रकार की प्रक्रियाओं और सेवाओं के लिए दरें लेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना की दरों का एक अंतरिम उपाय के रूप में फैसला सुनाया।

भारत में मेडिकल देखभाल का वितरण मुख्य रूप से बाजार-निर्धारित कीमतों के साथ निजी प्रदाताओं के माध्यम से होता है। स्वास्थ्य देखभाल बाजार का वर्तमान प्रारूप ऐसा हैं, जो अक्षमताओं और असमानताओं की ओर ले जाते हैं और विनियमन की आवश्यकता होती है। यह एक ऐसी व्यवस्था के रूप में मौजूद है, जिसे प्रस्तावित समाधानों के जटिल मुद्दे को अधिक सरल बनाता है। हालांकि, उक्त बात इस बहस को बढ़ावा देती है जिसमें यह कहा जा रहा है कि यह कदम सही या नहीं। एक अनियमित बाजार-संचालित परिदृश्य में, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता उच्च कीमतों और देखभाल के अधिक प्रावधान (आपूर्तिकर्ता प्रेरित मांग) के माध्यम से लाभ पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक संभावित समाधान, मापदंड प्रतिस्पर्धा में नियामक प्राधिकरण बाजार टिप्पणियों के आधार पर बेंचमार्क मूल्य निर्धारित करते हैं। हालांकि, इस दृष्टिकोण को भारत में विविध रोगी प्रोफाइल, अविश्वसनीय मूल्य डेटा और कमजोर नियामक ढांचे के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लंबे प्रतीक्षा समय, कथित सेवा गुणवत्ता के मुद्दों और रोगी की जानकारी में अंतराल के कारण केवल सरकारी अस्पतालों पर भरोसा करना अपर्याप्त है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मूल्य निर्धारण से संबंधित चर्चा मूल्य निर्धारण के लिए एक मानक के साथ शुरू होनी चाहिए। मानक उपचार दिशा-निर्देश या प्रासंगिक नैदानिक आवश्यकताओं, देखभाल की प्रकृति और सीमा और आवश्यक कुल निवेश की लागत को स्थापित करने में मदद कर सकते हैं। वशिष्ठ उपचार दिशा निर्देश अर्थात् एसटीजी में उन कन्फांउडर्स को संबोधित कर सकते हैं जो व्यक्तिगत जरूरतों का जवाब देने के लिए नैदानिक स्वायत्तता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न अस्पताल प्रक्रियाओं के लिए देखभाल के विभिन्न स्तरों के लिए जिम्मेदार हैं। नतीजतन, यह कई प्रक्रियाओं की सटीक लागत के लिए उपभोग किए गए स्वास्थ्य देखभाल संसाधनों का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है।

प्रदाता यदि एक विकल्प के रूप में आउट-ऑफ-पॉकेट भुगतान के साथ बाजारों तक पहुंच सकते हैं या प्रतिपूर्ति भुगतान के लिए ऐड-ऑन कर सकते हैं। कई देशों ने समन्वित स्वास्थ्य देखभाल खरीद सुधारों के माध्यम से इस कठिन उपलब्धि को पूरा किया है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि मूल्य निर्धारण के मुद्दे कानून और व्यवस्था की समस्याओं के बजाय स्वास्थ्य प्रणाली की चुनौतियां है। भारत में कुल स्वास्थ्य व्यय का आधे से अधिक जेब से बाहर है। अन्य आधा सार्वजनिक और निजी रूप से एकत्रित संसाधनों की एक भीड़ से आता है। निजी क्षेत्र मुख्य रूप से छोटे पैमाने के प्रदाताओं से बना है। अगर दरों को मानकीकृत भी किया जाता है, तो उनका कार्यान्वयन अनिश्चित होगा। निर्धारित दरों के पालन के लिए प्रवर्तन तंत्र अस्पष्ट है, जिससे इस तरह के नियामक उपायों की व्यवहार्यता के बारे में सवाल उठते हैं। क्या होगा यदि प्रदाता निर्धारित प्रक्रिया दरों का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में दरों का विरोध किया है।

मूल्य सीमा जैसे आर्थिक उपायों के माध्यम से आदेश और नियंत्रण नियम अभिनेताओं के व्यवहार को तेजी से प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें घोषणाओं का पालन करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। हालांकि, जब प्रवर्तन तंत्र कमजोर होते हैं, तो ये प्रभाव अस्थायी होते हैं क्योंकि समग्र वातावरण अपरिवर्तित रहता है। सुझाए गए उपायों को लागू करने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। केवल ग्यारह राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों ने नैदानिक स्थापना अधिनियम को अधिसूचित किया है। इसका कार्यान्वयन कमजोर बना हुआ है। इसमें सामर्थ्य, देखभाल की गुणवत्ता और प्रदाता व्यवहार पर प्रभाव के बारे में कम या कोई सबूत नहीं है। इसी तरह के डिजाइन और कार्यान्वयन क्षमता की बाधाओं ने सन् 2017 से स्टेंट और प्रत्यारोपण की कीमतों को सीमित करने के राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के निर्णय और डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए अनिवार्य करने वाले कई निर्देशों को प्रभावी ढंग से अपनाने में बाधा उत्पन्न की है।

निर्धारित कीमतों के माध्यम से दर मानकीकरण, हितधारकों के गलत तरीके से संरेखित प्रोत्साहनों की मौलिक समस्या का समाधान नहीं कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि सरकार ने कोई कार्य नहीं किये हैं। दवाईयों कि पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार समय-समय पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत विभिन्न आवश्यक दवाईयों के संबंध में कीमतों की सीमा तय कर देती है। साथ ही ऐसे कई अन्य कदम सरकार द्वारा उठाये गए हैं, परंतु यह निश्चित है कि इस दिशा में और कार्य एवं प्रयास सरकार और लोगों द्वारा किये जाना जरूरी है।

फिल्म इनदिनों

मनीष जैसल

फ़िल्म समीक्षक

बाल मन को खूबसूरती से टटोलती 'इलहाम'

यानि ईश्वर या खुदा से आई वो आवाज़ जिसे मनुष्य अपनी प्रेरणा में शामिल कर सकता है। हाल ही में युवा फ़िल्म निर्देशक ध्रुव हर्ष की फ़िल्म इल्हाम आँखों के सामने से गुज़री। दर्शक के तौर पर आपको अगर रील देखने की लत लग चुकी है तो यह फ़िल्म उससे बचने में मदद करेगी। संगीत और फ़िल्म के दृश्य आपको बहुत सुखद एहसास करा सकते हैं। फ़िल्म की कहानी एक बच्चे और जानवर के प्रति संवेदना को ध्यान में रखकर स्क्रीन के लिए तैयार की गयी है। 6-7 साल का बच्चा फ़ैजान स्कूल में सभी विषयों में अच्छे नम्बर से पास होता है। वहीं गणित में उसका मन काम लगता है। लेकिन एक बकरी जिसका नाम उसने डोडू रखा है उसके लिए उसका गुणा गणित देखने लायक़ है। बेहद आम मुस्लिम परिवार का फ़ैजान और बच्चों की तरह अपने अब्बू से बक़रीद पर बकरा लाने की बात करता है। लेकिन पारिवारिक हालात को भी यह बालमन ख़ूब समझता है। इसीलिए वह बच्चा बकरे के लिए ऐसी ज़िद नहीं करता जैसा जेनजी के ज़माने के बच्चे हर रोज़ किसी ना किसी चीज़ के लिए करते हैं।

बहरहाल फ़ैजान के पिता ने रुई धुनने का अपना पुराना काम फिर से शुरू करके घर के लिए क़ुरबानी का बकरा घर ले आते हैं। फ़िल्म की कहानी में पिता को मिले इस बकरे का क्षण भी अद्भुत है, यह देखते हुए एक ईश्वरीय आवाज़ दर्शकों को महसूस होगी ।

फ़ैजान जैसे बच्चे हमारे आस पास भी खूब दिखाई देते हैं। उनके अंदर संवेदना और किसी जानवर के लिए प्रेम को हम वयस्क हो चुके लोगों को महसूस करना चाहिए, यह इलहाम सिखाती है। बकरे के लिए बच्चे के दिल में जो प्यार उमड़ा है, संवेदना जागी है और उसके लिए फ़ैजान की जोड़ तोड़ कर बकरे को क़ुरबानी से बचाने के प्रयास दर्शकों को फ़िल्म से बाँधने में मदद करती है। आखिर में वह सफल होता है।

भारत में बाल मन को लेकर फ़िल्मों का निर्माण अब धीमी गति से होता हुआ दिखाई देता है। ऐसे में इलहाम एक सफल प्रयास और उस कड़ी में मील का पत्थर साबित होती है। नए फ़िल्मकारों को ऐसी फ़िल्मों को आधार बनाकर सोचना आरम्भ करना होगा जहाँ बाल मन को निर्माता निर्देशक और कहानीकार महसूस कर सके।

फ़िल्म की शुरुआत जिस अन्दाज़ से होती है उससे यह पता चलता है फ़िल्म अवध के मुस्लिम बाहुल्य इलाक़े की घटना है। साथ ही एक नया और स्वस्थ नरेटिव बनाने का भी काम करती दिखती है। फ़िल्म के दृश्य दर्शकों के दिलों को छू सकते हैं साथ ही संगीत की दृष्टि से इलहाम दर्शकों को पुराना अवध और संस्कृति की याद दिला सकता है। करीर क़रीब वैसा ही जैसा मुज़फ़्फ़र अली साहब की फ़िल्म गमन और अंजुमन में अवध दिखाई देता है।

फ़िल्म के कलाकारों में फ़ैजान के पिता रफ़ीक का किरदार निभाने वाले महमूद हाशमी थोड़ा और बेहतर कर सकते थे लेकिन उनकी पत्नी का किरदार निभाने वाली गुनीत कौर दर्शकों को ज़रूर पसंद आएँगी । यह फ़िल्म देखते हुए मुझे ईरानी फ़िल्म द फ़्रोजेन रोज़ की याद आई। इस ईरानी फ़िल्म में एक बच्ची के किरदार को देखते हुए मुझे इलहाम में फ़ैजान की बड़ी बहन के किरदार को करने वालु टोटो चान की अदाकारी पसंद आई। फ़ैजान बना तोयो चान स्वयं इतना शालीन होकर स्क्रीन में दिखता है दर्शकों को वह अपना बच्चा जैसा लगने लगेगा। अगर आपने ईरानी फ़िल्में देख रखी हैं तो आपको यह फ़िल्म वाक़ई वहाँ के सिनेमा से जोड़ सकती है।

दर्शकों को इलहाम इसलिए भी देखनी चाहिए कि आज की सूचना प्रोद्योगिकी से युग में जिस तरह युवा और बच्चे जुड़ रहे हैं वहाँ उनके अंतर्मन को उनके माता पिता और अभिवावक समझने में कहीं ना कहीं फ़ेल होते दिखते हैं। एक बच्चा जो बकरे से इतनी लगाव कर बैठता है कि अनजाने में ही सही वह चली आ रही क़ुरबानी की परम्परा तक को चोट करने की हठ कर बैठता है। लेकिन उसका हठ करने का तरीक़ा वाक़ई भारतीयता से जुड़ा हुआ है।

हमारे समय का बाल मन और उसकी सोच को उसी स्तर पर आकर सोचने की ज़रूरत को यह फ़िल्म बढ़ावा देती है। बाल मनोविज्ञान से जुड़ी भारत में और ख़ासकर हिंदी फ़िल्मों के निर्माण की ख़ासी ज़रूरत है। जिससे भारतीय परिवारों बच्चों को लेकर बढ़ रही दूरी को और कम किया जा सके। जहाँ एक ओर एनिमेशन के प्रयोग से भारतीय पौराणिक कथाओं को एक उग्र और यूटोपिया रचते हुए बच्चों के सामने पेश किया जा रहा है, वहाँ इलहाम नए फ़िल्मकारों और संवेदनशील लेखकों को एक रास्ता दिखाने का काम करती है। फ़िल्म देश और दुनियाँ के अलग अलग फ़िल्म समारोह में दिखाई जा चुकी है साथ ही कई पुरस्कार भी प्राप्त कर चुकी है।

मेले पर विशेष

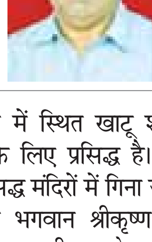

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्री कृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्री कृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी। श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होंने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये। भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया। तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तविक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया। उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतः ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ। एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई. में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजग है। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा हो रही है। सरकार ने यहां के मंदिर परिसर क्षेत्र के विकास की घोषणा की है। जिसका लाभ भी श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

अधिकांश मैरिज गार्डन बिना लायसेंस शुल्क जमा किये हो रहे संचालित, नपा नहीं कर रही कार्रवाई

नगरपालिका के रिकार्डो में सिर्फ 20 मैरिज गार्डन रजिस्टर्ड

संजय द्विवेदी, बैतूल। शहर में आधा सैकड़ों से अधिक मैरिज गार्डन संचालित हो रहे हैं। लेकिन नपा ने प्रशासन से उपविधियों का अनुमोदन कराने के बाद भी उन नियमों का पालन नहीं कराया, जिनका उल्लेख उसमें किया गया। सिर्फ नगरपालिका ने एक माह पहले सीसीटीवी और अग्निशमन यंत्र लगाए जाने को लेकर नोटिस दिए थे। इस मामले में भी कई मैरिज गार्डनों ने संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। बता दे कि नगरपालिका के रिकार्डो में मात्र 20 ही मैरिज गार्डन रजिस्टर्ड है, जो शहर में संचालित हो रहे है। इसके अलावा जो मैरिज गार्डन है, उनका रिकार्ड तक नगरपालिका के पास उपलब्ध नहीं है और वे बेधडक़ संचालित हो रहें है। ऐसे मैरिज गार्डन संचालकों ने संपत्ति टैक्स तो दूर, लाइसेंस फीस तक जमा नहीं की है। जिससे नगर पालिका को राजस्व नुकसान हो रहा है। इसके बाद भी महज नोटिस की खानापूर्ति की गई है। जबकि संपत्तिकर के अलावा मैरिज गार्ड संचालकों को हर साल लाइसेंस फीस 20 हजार रुपए जमा करना होती है।

रोज वसूलते है लाखों रूपये किराया– सीजन में मैरिज गार्डन संचालक एक-एक दिन का लाखों रूपये किराया वसूल करते है। लेकिन सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकांश मैरिज गार्डन के पास कोई इंतजाम तक नहीं है। यहां तक कि इन मैरिज गार्डन में होने वाले आयोजनों के दौरान

गाडिय़ां भी सडक़ और सडक़ किनारे ही पार्क की जाती है। मैरिज गार्डनों के पास उचित पार्किंग व्यवस्था तक नहीं है। सुरक्षा को लेकर कई मैरिज गार्डन नियमों का पालन नहीं कर रहे। साथ ही कई गार्डनों के प्रवेश द्वार छोटे हैं। जिससे कभी भी हादसे का डर बना रहता है। शादियों का सीजन शुरू होने के कारण सडक़ किनारे बने गार्डनों की वजह से आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है, क्योंकि गार्डन संचालकों ने पार्किंग के लिए कोई इंतजाम नहीं किए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में बिना लायसेंस फीस के संचालन– नगरपालिका क्षेत्र कुछ गार्डन संचालकों ने लाइसेंस फीस जमा कर रखी है, लेकिन शहरी सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मैरिज गार्डन बिना नियम कायदे कानून के ही संचालित हो रहे हैं। नपा सूत्रों की माने तो ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाले गार्डनों की जांच करने का काम जनपद के अंतर्गत आता हैं। लेकिन जनपद भी मैरिज गार्डन के संचालन को लेकर खास दिलचस्पी नहीं दिखाता है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के मैरिज गार्डन बिना लाइसेंस फीस जमा किए ही संचालित हो रहे हैं। जिससे शासन को भी राजस्व की हानि उठानी पड़ रही है।

सिर्फ नोटिस तक सीमित नपा की कार्रवाई

मैरिज गार्डन संचालकों पर कार्रवाही को लेकर नगरपालिका का रवैया उदासीन है। हालात यह है कि नगरपालिका मैरिज गार्डन संचालकों को नोटिस तो जरूर जारी करती है, लेकिन कार्रवाही नहीं करती है। यहीं वजह है कि मैरिज गार्डन को लेकर शासन से जो नई गाइड लाइन जारी हुई हैं, उसमें सभी मैरिज गार्डन संचालकों को नोटिस जारी कर दिए हैं, लेकिन नोटिस जारी करने के बाद उक्त दिशा-निर्देशों का पालन करना नगरपालिका भूल गई है। नोटिस मिलने के बाद मैरिज गार्डन संचालकों ने भी कोई गंभीरता नहीं दिखाई और न ही मैरिज गार्डन में सुधार के लिए कोई बदलाव किए गए।

गार्डन संचालन का यह है नियम

1. अग्निशमन उपकरण अनिवार्य।
2. मैरिज गार्ड का रजिस्ट्रेशन होना।
3. अस्पताल, शिक्षण संस्थान से दूरी 100 मीटर
4. मैरिज गार्डन में उचित पार्किंग की सुविधा।
5. सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होना चाहिए।
6. मैरिज गार्डन मार्ग 12 मीटर चौड़ा होना चाहिए।
7. रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं होना चाहिए।

इनका कहना है –

शहरी क्षेत्र में जो मैरिज गार्डन संचालित है, उन्हें नई गाइड लाइन का पालन करने के लिए कहा गया है। नियमों का उल्लंघन करने वाले मैरिज गार्डन संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। जल्द ही कार्रवाई भी की जायेगी।

– नीरज धुर्वे, एई, नगरपालिका बैतूल

डहरगांव हार्टिफुट कंपनी मजदूरों ने किया काम बंद धरना प्रदर्शन प्रारंभ

मांग – तीन दिन में 10 सूत्रीय मांगों को पूरा करे कंपनी

बैतूल / मुलताई। डहरगांव स्थित हार्टिफुट आई.जी. बेरिज कंपनी के हजारों मजदूरों ने कंपनी पर शोषण का आरोप लगाते हुए काम बंद कर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया है। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जेडी पाटील द्वारा किया जा रहा है कर्मचारियों द्वारा कंपनी को सौपे गए मांग पत्र के अनुसार मजदूरों ने बताया है कि ग्राम पंचायत हतनापुर में हार्टिफुट आई.जी. बेरिज, प्राईवेट लिमिटेड डहरगांव स्थित है जिसमें लगभग 300-400 मजदुर वर्षभर एवं 1500-2000 मजदुर फलों की तुडवाई हेतु कार्य पर लगते है। जिसके कार्य दौरान मजदुरों को कम्पनी में सुबह 8 बजे

से शाम 5 बजे तक समय व्यतित करना पडता है। मजदुरों को धुप में कार्य करते समय चक्कर आ जाता है स्वास्थ्य खराब हो जाता है किंतु कम्पनी के अधिकारी एवं स्टाफ द्वारा देखने भी नहीं आते और पता चलने पर कहा जाता कि आपके अनुसार इन्हें ईलाज करवाकर घर छोड दिया जाये। जिसे देखते हुए हम मांग करते हैं कि कम्पनी में प्रथम उपचार एवं पीडितों का ईलाज कम्पनी खर्च पर किया जावे। मजदुरों की मजदुरी श्रम आयोग के आदेशानुसार दिया जावे। मजदुरों का बीमा कम्पनी द्वारा किया जावे। प्रतिवर्ष समय-समय पर मजदुरी रेट में वृद्धि की जावे। वर्ष में एक बार मजदुरों को बोनस दिया जावे। अनुभव एवं कार्य की अवधि के अनुसार प्रमोशन दिया जावें। प्रतिदिन ड्यूटी समय के उपरान्त कार्य करने पर व्होवर टाईम कार्य करने की मजदुरी दुगुनी दी जाये।कम्पनी पी.एफ. एकाउन्ट धारियों एवं जिस भी मजदुरों ने कम्पनी में 6 माह या 180 दिन कार्य किया है उन्हें कम्पनी पे रोल में स्थाई रूप से रखा जावे। माह में 26 डियूटी के साथ शासकीय अवकाश की मजदुरी देने सुनिश्चित करें। शासकीय अवकाश के दिन कार्य करने पर दुगुनी मजदुरी दी जावे। मजदुरों द्वारा रखी गई मोंगों का कम्पनी अधिकारी से अनुरोध है कि आज दिनांक से तीन दिवस के भीतर निराकरण देना सुनिश्चित करे अन्यथा आगामी दिनों में मजदुरों द्वारा मोंगे पुरी नहीं होने की स्थिति में अनिश्चित कालीन हड़ताल की जा सकती है तथा हडताल के दौनान कम्पनी का जो भी नुकसान एवं फायदा होगा उसकी जिम्मेदारी स्वयं कम्पनी एवं कम्पनी स्टाफ की होगी। धरना प्रदर्शन भाग लेने वालों में माखन करतारे, मनोहर परिहार, जितेंद्र पवार, सोनू मालवीय, अंकित पवार, किशोर साहू, धनराज पवार ,नवनीत बुवाडे, नर्सिंग पवार ,कमलेश साहू , अनिल देशमुख आदि प्रमुख है।

उत्तर प्रदेश से अपहरण कर लाई गई 17 वर्षीय लड़की बरामद

संदिग्ध अवस्था में ताप्ती के आसपास घूम रहे थे लड़का लड़की

बैतूल/ मुलताई। बीती रात 12 बजे संदिग्ध अवस्था में ताप्ती सरोवर के पास स्कूल ड्रेस में घूम रही एक नाबालिग लड़की को मुलताई पुलिस ने एक युवक के साथ पकड़ा है, उसको उत्तर प्रदेश से

अपहरण कर लाया बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात 12 बजे पुलिस ने 17 साल की लडक़ी को स्कूल ड्रेस में एक युवक के साथ ताप्ती सरोवर के पास से पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि लडक़ी का अपहरण उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के मुगलसराय से किया गया था। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के अनुसार रात करीब 12 बजे स्कूल ड्रेस में एक लडक़ी के घूमने की सूचना मिली, तो पुलिस दोनों को थाने ले आई। जांच में सामने आया कि स्कूल जाते समय लडक़ी का अपहरण किया गया था। आरोपी की पहचान किशोर (पिता पंचम) के रूप में हुई, जो महाराष्ट्र के वरुड़ का रहने वाला है। वह ट्रेन से लडक़ी को मुगलसराय से लाया था। आरोपी का इरादा लडक़ी को वरुड़ ले जाने का था, लेकिन साधन नहीं मिलने के कारण वे ताप्ती सरोवर के आसपास घूम रहे थे। मुलताई पुलिस ने तत्काल मुगलसराय पुलिस को सूचित किया। मुगलसराय पुलिस ने मुलताई पहुंचकर नाबालिग को अपने कब्जे में लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जिले के 126 परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों ने दिया गणित विषय का प्रश्न पत्र

बैतूल। जिले में हाई स्कूल कक्षा दसवीं की परीक्षा के अंतर्गत सोमवार को जिले के 126 परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों ने गणित विषय का प्रश्न पत्र दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि गणित विषय के प्रश्न पत्र में कुल 21096 परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होना था जिसमें से 686 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे एवं 20410 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। विभिन्न स्तर पर बनाए गए उड़न् दस्तों द्वारा समाचार जारी किए जाने तक गणित विषय के प्रश्न पत्र के दौरान 31 केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान नकल संबंधी कोई प्रकरण पंजीबद्ध नहीं हुआ। आज 11 मार्च 2025 को हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा कक्षा 12वीं के वैकल्पिक विषय अंतर्गत इनफॉर्मेटिक प्रैक्टिस विषय का प्रश्न पत्र होना है। यह प्रश्न पत्र जिले में 7 परीक्षा केंद्रों पर होगा। बोर्ड परीक्षा संबंधी मूल्यांकन का प्रथम चरण दिनांक 13 मार्च से आरम्भ होना है। इस चरण में 01 मार्च तक संपन्न विषयों का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन से पूर्व 9 मार्च को प्रथम चरण के विषय शिक्षकों का प्रशिक्षण स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल में सम्पन्न हुआ। इस दिनांक को प्रशिक्षण में अनुपस्थित शिक्षकों का पुनः प्रशिक्षण 12 मार्च को रखा गया है।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

आरक्षित वनखंड घोषित करने सम्बन्धी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम केजी तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट में जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यवस्थापन अधिकारियों के पास भारतीय वन अधिनियम की धारा 4 में अधिसूचित वनखंडो में धारा 5 से धारा 19 तक की कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने एसडीओ फॉरेस्ट और सम्बन्धित एसडीएम को आपसी समन्वय से ऐसे सभी प्रकरणों को समय सीमा निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर और वन मंडल अधिकारी भी सतत मॉनिटरिंग कर आरक्षित वन घोषित करने सम्बन्धी सभी कार्यवाही को पूर्ण करने के निर्देश करें। उन्होंने कहा कि एसडीएम कार्यालय में उपलब्ध प्रकरणों को 20 मार्च तक निराकरण कराएं और शेष प्रकरणों को वन मंडल अधिकारी से प्राप्त कर उनका 5 अप्रैल तक निराकरण कराएं। श्री तिवारी ने वन ग्राम/वन भूमि पर उप स्वास्थ्य केंद्र बनाएं जाने की अनुमति के प्रकरणों की समीक्षा की और वन मंडल अधिकारियों को स्वीकृति दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य जनकल्याण सम्बन्धी कार्यों की स्वीकृति में अनावश्यक देरी न हो। इसी प्रकार उन्होंने वन भूमि पर जल संयंत्र लगाने, जल जीवन मिशन, मुख्यमंत्री ग्राम एवं अवसंरचना के लिए चाही गई अनुमतियों के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में ई-ऑफिस प्रणाली लागूं करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, सीएफ फॉरेस्ट वासु कनोजिया, सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन, डीएफओ वन मंडल दक्षिण विजयानन्तम टी.आर., डीएफओ वन मंडल उत्तर अनिल गर्ग, डीएफओ वन मंडल पश्चिम वरुण यादव, समस्त एसडीएम और एसडीओ फॉरेस्ट उपस्थित रहें।

8 माह से फरार हत्या का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने 8 माह से फरार हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 3 हजार रूपये का ईनाम भी था। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली बैतूल में 30 जून 24 को श्रीमति सोमता बाई पति पंचमदीवान उडक़े उम्र 65 साल निवासी सेलगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मेरे घर का निस्तार का व बरसात का पानी किशन धुर्वे के घर के पास से जाता है, जहां किशन धुर्वे ने झोपडी बना लिया है। नाली से बहने वाले पानी को लेकर किशन और उसका लडका विजय मेरे बेटे संतोष और बहू चम्पा को मां बहन की गंदी गंदी गाली देने लगे एवं किशन ने कुल्हाडी से बेटा संतोष के गर्दन में मार दिया। बहू चम्पा मेरे बेटे संतोष को बचा रही थी तो किशन ने कुल्हाडी से और विजय ने डंडा से बहू चम्पा के सिर, गर्दन में बार कर दिया। मै दौडकर चिल्लाने गई तो किशन ने एक कुल्हाडी मेरे बाये हाथ में मारा जिससे खून निकलने लगा। मेरा बेटा संतोष और बहू चम्पा खून से लथपथ होकर वही बेहोश हो गये थे। संतोष और बहू चम्पा को मरा समझकर किशन और उसका लडका विजय भाग गये। मेरी बहु चम्पा को सिर में, गर्दन में, हाथ में - बेटा संतोष को गर्दन में, सिर में बाये गाल व कंधे और मुंह में चोट लगी है। रिपोर्ट पर धारा 307,324,323,294,34 भादवि का पंजी बध्द कर विवेचना में लिया गया ।

प्रकरण की घायल चम्पाबाई उईके की 1 जुलाई 2024 को ईलाज के दौरान मृत्यु होने

पर धारा 194 बीएनएस का कायम किया गया । प्रकरण में धारा 302 भादवि का ईजाफा किया गया । 8 जुलाई 2024 को घायल संतोष पिता पंचम उईके निवासी सेलगांव की लतामंगेश्कर अस्पताल नागपुर में इलाज के दौरान मृत्यु होने पर धारा 194 जा.फौ. का कायम किया गया । प्रकरण के आरोपी किशन पिता मेहंगू धुर्वे उम्र 40 साल निवासी ग्राम सेलगांव को 30 जून 2024 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। आरोपी विजय पिता किशन धुर्वे घटना दिनांक से फरार चल रहा है। प्रकरण के फरार आरोपी विजय धुर्वे की गिरप्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा 3000 रूपये का ईनाम घोषणा की गई थी।

फरार आरोपी विजय धुर्वे पिता किशन धुर्वे 24 साल निवासी सेलगांव की कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार तलाश पतारसी की जा रही थी। 9 मार्च 2025 को मुखबिरो से सूचना प्राप्त हुई की हत्या का आरोपी विजय धुर्वे मासौद क्षेत्र में निवास कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम को तत्काल रवाना किया गया । पुलिस टीम के द्वारा फरार आरोपी विजय पिता किशन धुर्वे उम्र 24 साल निवासी सेलगांव को ग्राम खेडी रामोसी थाना मुलताई चौकी मासौद से अभिरक्षा में लेकर ग्राम सेलगांव चौकी खेडी ले जाकर हत्या में प्रयुक्त लकडी का डंडा विधिवत जप्त किया गया एवं आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उनि राकेश सरयाम, प्र आर दीपक कटियार, आर. रोहित नवरेती, पुलिस चौकी मासौद से प्र.आर. आलोक पटेल, प्र आर हाकम सिंह, आर. शिवराम परते, आर. मेहमान कवरेती एवं सायबर सेल से आर. दीपेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही है।

होली व रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बैतूल / भौरा। आगामी होली और रमजान के अवसर पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोमवार को पुलिस चौकी भौरा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शाहपुर थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर, भौरा पुलिस चौकी प्रभारी नीरज खरे, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।बैठक में थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने कहा

कि होली रंगों का त्योहार है और रमजान आत्मसंयम और इबादत का महीना, ऐसे में सभी को मिल-जुलकर इन्हें मनाना चाहिए। बैठक में थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि होली के दौरान किसी भी तरह की शराबखोरी, जबरदस्ती रंग लगाने, या अभद्रता करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि त्योहार मनाने की आजादी सभी को है, लेकिन इसकी आड़ में कोई भी शांति भंग करने का प्रयास न करे। चौकी प्रभारी नीरज खरे ने भी कहा कि पुलिस द्वारा इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मर्यादित तरीके से त्योहार मनाएं और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई शराब पीकर गदर करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपस्थित ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों और समाजसेवियों ने कहा कि भौरा में हमेशा भाईचारे का माहौल रहा है, जिसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। राजेंद्र सिरोठिया ने कहा कि गांव में होली और रमजान मिल-जुलकर मनाए जाते हैं और यही परंपरा आगे भी चलती रहनी चाहिए। सुधीर नायक ने कहा कि कोई भी असामाजिक तत्व यदि माहौल खराब करने की कोशिश करता है, तो समाज के लोग खुद भी सतर्क रहें और तुरंत प्रशासन को सूचना दें। अशोक अग्रवाल,दिलीप माधव ने कहा कि होली के दौरान बाजारों और प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने से शांति बनी रहेगी। संतोष नायक और पराग राठौर ने कहा कि युवाओं को समझाया जाए कि वे किसी भी तरह के विवाद से बचें और त्योहारों को अनुशासन में रहकर मनाएं।

महत्वपूर्ण निर्णय और पुलिस की सख्त हिदायतें– बैठक में निर्णय लिया गया कि होली के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। किसी पर जबरदस्ती रंग लगाने, गाली-गलौज या लड़ाई-झगड़ा करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी और विशेष निगरानी रखी जाएगी। रमजान के दौरान धार्मिक स्थलों के आसपास शांति बनाए रखने और सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने की कोशिश करता है, तो तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई।

सभी से सौहार्द्रपूर्ण त्योहार मनाने की अपील

बैठक के अंत में पुलिस अधिकारियों और ग्रामवासियों ने सभी से अपील की कि वे त्योहारों को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि होली और रमजान के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाएगी। वहीं, ग्रामवासियों ने भी प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन दिया और शांति व्यवस्था बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई। इस बैठक में प्रमुख रूप से राजेन्द्र सिरोठिया, सुधीर नायक,अशोक अग्रवाल, महेंद्र सिरोठिया ,संतोष नायक,सुनील राठौर,दिलीप माधव,उत्तम वर्मा,पराग राठौर,रूपनारायण मालवीय, मकसूद खान,पालू सरदार,लादूराम यादव,पप्पू यादव,सौरभ राठौर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सतलोक आश्रम में मनाया जा रहा गरीबदास जी महाराज का बोध दिवस

38 जोड़ों का दहेज मुक्त विवाह, 378 यूनिट रक्तदान व 2713 लोगों ने देहदान के संकल्प के फार्म भरे

बैतूल। सतलोक आश्रम में विश्व विख्यात संत रामपाल महाराज के सानिध्य में संत गरीबदास जी महाराज का 299वें तीन दिवसीय बोध दिवस मनाया जा रहा है। इस महाविशाल समागम के दूसरे दिन रक्तदान शिविर और 38 जोड़ों का दहेज मुक्त आदर्श विवाह संपन्न हुआ। देहदान संकल्प फार्म भरने व रक्तदान शिविर में भी अनुयायीयों ने बढ़-चढकर भाग लिया व शाम तक 378 यूनिट रक्तदान व 2713 लोगो के देहदान के संकल्प फार्म भरे गए। इस महा समागम में सभी श्रद्धालुओं के लिए रहने खाने व भंडारा प्रसाद ग्रहण करने की उत्तम व्यवस्था है जहां भंडारे में शुद्ध देशी घी के लड्डु, हलवा, प्रसाद, सब्जी, पूड़ी, दाल, चावल आदि परोसा गया। जहां आश्रम में बैठने के लिए विशालकाय सत्संग शेड व वॉटर प्रूफ टेंट भी लगाए गए है। साथ ही आध्यात्मिक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें संत गरीबदास जी महाराज जी की लीलाओं व संत रामपाल जी महाराज जी के संघर्ष को

दर्शाया गया है। समागम के दौरान संत रामपाल महाराज के अनमोल ज्ञान को सुनकर 2487 लोगो ने निशुल्क नाम दीक्षा लेकर सत भक्ति मार्ग को ग्रहण किया। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन हो रहा है उसके बावजूद कोई भी व्यवस्था एकदम पुख्ता हैं। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जूता घर,पार्किंग, जल की व्यवस्था, चाय बिस्किट, भोजन भंडारे, पंडाल में बैठने की व्यवस्था, सभी जगह सेवादार अपनी सेवाओं में खड़े रहे और सभी व्यवस्थाएं सुचारू ढंग से चल रही है। सेवादारों का सेवा भाव देखते ही बनता है। इस पवित्र महा समागम का आज मंगलवार को समागम का समापन होगा। आयोजकों ने सभी सर्व धर्मप्रेमी जनता इस विहंगम दृश्य और कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

दो दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह का किया समापन

बैतूल। होली महोत्सव के उपलक्ष में ग्राम टेकरीपुरा में आयोजित दो दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह का समापन किया गया। मानव उत्थान सेवा समिति टेकरीपुरा के तत्वावधान में 8 और 9 मार्च को धर्म के प्रणेता सद्गुरु सतपाल महाराज की आत्मानुभवी शिष्य हरिद्वार से पधारे साध्वी महात्मा सुजाता बाई, साध्वी महात्मा निरंजन बाई, बैतूल आश्रम प्रभारी महात्मा सौम्यानंद, महात्मा भावनानंद के विभिन्न धर्म ग्रंथो के आधार पर सत्संग प्रवचन को श्रद्धालुओं ने सुना और अपने जीवन में आत्मसात किया। इस दो दिवसीय समारोह में जिले सहित अन्य जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आध्यात्मिक सत्संग के अंतिम दिन शिष्य महात्मा सौम्यानंद महात्मा भावनानंद महात्मा सुजाताबाई ने अध्यात्म रूपी गंगा में श्रद्धालुओं को गोता लगवाया। इस अवसर पर होली के महत्व, भक्त प्रहलाद के जीवन पर प्रकाश डाला और गुरु का महत्व भी समझाया गया। सतगुरु सतपाल महाराज के जीवन पर रचित एक वीडियो क्लिप भी प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाई गई। समारोह का समापन फूलों की होली और आरती, शादी वितरण के साथ किया गया।

खंडवा में मिले चुंबकीय शक्ति वाले पत्थर! कलेक्टर ने खनिज विभाग को दिए जांच के निर्देश

खंडवा। शहर के किल्लौद ब्लाक के गांव कुकढाल में इंदिरा सागर के बैकवाटर से निकले पत्थरों में पैदा हो रही चुंबकीय शक्ति ने सबको चौंका दिया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने भी जब पत्थरों से चुंबक चिपकते देखा, तो वे हैरान हो गए। उन्होंने इन पत्थरों की जांच खनिज विभाग के माध्यम से लैब में कराने की बात कही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि जिस गांव में ये पत्थर पाए गए हैं, वहां बड़ी मात्रा में खनिज संपदा पाई जा सकती है।

सोमवार को ग्राम गड़बड़ी माल निवासी गिरवर सिंह राजपूत अपने साथियों के साथ चुंबकीय पत्थर लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। थैली में रखे अलग-अलग तरह के पत्थर ग्राम कुकढाल से लेकर आए थे।

चुंबक से चिपक रहे पत्थर– राजपूत ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व वे अमावस्या पर ग्राम कुकढाल से लगे जंगल के बैकवाटर में स्नान करने गए थे। उस दौरान उन्होंने इन पत्थरों को देखा। छोटे होने के बाद भी वजन में भारी और अजीब नजर आने वाले पत्थरों को ये अपने घर ले आए। इसके बाद इन पर चुंबक लगाकर देखा, तो पत्थर चुंबक के संपर्क में आते ही चिपकने लगे। कुछ पत्थर ऐसे भी थे, जो बिना मशीन के तराशे हुए नजर आ रहे थे।

कलेक्टर ने जताया आश्चर्य– संग्रहित किए गए इन पत्थरों को लेकर राजपूत कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। कलेक्टर को उन्होंने पत्थरों पर चुंबक लगाकर दिखाया। इस पर कलेक्टर ने आश्चर्य जताया और कहा कि खनिज विभाग से पत्थरों की जांच कराई जाएगी। आपको बता दें कि कुकढाल में जहां लोह तत्व मिश्रण वाले पत्थर पाए गए हैं, वह वन विभाग का क्षेत्र है।

बेटा कपड़ों के लिए टोकता था, मां ने मार डाला

ऑडिटर की पत्नी बोली- जुर्म कबूल नहीं; 5 सबूत जिस पर पुलिस ने बनाया आरोपी

गुना (नप्र)। गुना में 15 साल के बच्चे की मौत की गुत्थी सुलझ गई है। मां ने ही उसकी गला घोंटकर हत्या की थी। फिर इसे सुसाइड बताने की साजिश रची। बेटा उसे बिंदी और कपड़े के लिए टोकता रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान मौके पर मिले सबूत के आधार पर मां को आरोपी बनाया। उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है।

हालांकि बच्चे की मां ने अभी भी अपना जुर्म कबूल नहीं किया है। वो इसे आत्महत्या की बता रही है। लेकिन पुलिस को मिले 5 सबूतों के आधार पर मां ने ही पूरी घटना को सुसाइड का रूप देने की कोशिश की। पुलिस अब आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगेगी।

घटना 14 फरवरी को चौधरन कॉलोनी की है। अभ्युदय जैन (15) का शव घर के बाथरूम में मिला था। शुरुआत में मामला आत्महत्या का लग रहा था, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की बात सामने आई। बता दें, शहर की चौधरन कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले अनुपम जैन प्राइवेट बैंक में नौकरी करते हैं। वह ऑडिटर हैं। इस कारण उन्हें अक्सर शहर से बाहर जाना पड़ता है। उनकी पत्नी गृहिणी हैं। बेटा अभ्युदय जैन (15) कक्षा 8 में पड़ता था। अनुपम जैन ने अपना ट्रांसफर भोपाल करा लिया था और वहीं पर बच्चे का एडमिशन कराने की प्रक्रिया भी कर रहे थे। मां को रील्स बनाने का शौक था। बेटा अक्सर कपड़ों को लेकर टोकता रहता था।

बेटा बदहवास हालत में पड़ा मिला था– 14 फरवरी को अभ्युदय के पिता अनुपम जैन बैंक के काम से शहर से बाहर गए हुए थे। शाम के समय मां भी शहर में ही काम से चली गईं। घर में बेटा अभ्युदय अकेला ही था। बच्चे के एग्जाम चल रहे थे, इसलिए वह घर पर ही पढ़ाई कर रहा था। शाम 7 बजे के आसपास जब वह वापस लौटीं, तो घर का दरवाजा बंद था। उन्होंने कई बार डोर बेल बजाई, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने मकान मालिक से दूसरी चाबी लेकर घर का दरवाजा खोला।

वह ऊपर अपने कमरे में गईं, तो बेटा अभ्युदय बदहवास हालत में पड़ा हुआ था। उसके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। उसके पैर भी बंधे हुए थे। उन्होंने मकान मालिक और पड़ोसियों को बुलाया। वह सभी लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

बच्चे के गले पर निशान थे। वहीं उसके गले पर दुपट्टा भी कसा हुआ था। जिस पर मां ने आत्महत्या की संभावना जताई। जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्ट्म किया गया। तीन डॉक्टरों की पैनल ने उसका पोस्टमॉर्ट्म किया था। इसमें अभ्युदय की मौत गला दबाने से दम घुटने के कारण हुई।

सीसीटीवी में मां ही घर में जाते दिखी– एसपी संजीव कुमार सिन्हा के निर्देशन में इंटेलिजेंट पुलिसिंग और डीएसपी भरत नौटिया के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। बच्चे की मां अलका ने पहले दिन पुलिस को जो कहानी सुनाई थी, उसकी हर एंगल से पड़ताल की गई। पुलिस ने कॉलोनी में घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए।

शाम को मां बैडमिंटन खेलने निकल गई

अलका जैन शाम 3:48 बजे बैडमिंटन खेलने घर से निकली। शाम को 6:19 बजे वापस घर लौटी थी। उसकी सहेली उन्हें गली के बाहर से लेकर गई और वापस भी उसी ने छोड़ा। कुछ देर उसने गली के कोने पर खड़े होकर अपनी सहेली से भी बात की। मोबाइल कॉल डिटेल के अनुसार वह चाबी मांगने करीब पौने आठ बजे नीचे मकान मालकिन के पास आई। अपने पिता के साथ अभ्युदय। पिता बैंक में ऑडिटर है। वे अक्सर टूर पर रहते हैं।

वापस लौटी तो चाबी खो जाने का बहाना बनाया

किचन में काम कर रहीं मालकिन ने 7:ह्य48 बजे अपने पति को फोन लगाकर 2 मिनट 48 सेकेंड बात करते हुए घर की अलमारी में चाबियां ढूंढी और एक पर्स में से चाबियों का गुच्छा निकालकर अलका के सामने रख दिया कि इसमें देख लो। इस दौरान वह अलका से बातचीत करते हुए किचन में काम भी करती रही। करीब दो मिनट बाद यह कहते हुए चली गई कि चाबी मिल गई।

रात में मां के चिल्लाने की आवाज आई

करीब आठ बजे ऊपर के पोर्शन से अल्का के चिल्लाने की आवाज आने पर मालकिन ऊपर गईं। उन्होंने देखा कि बाथरूम में अभ्युदय पड़ा हुआ था। उसका सिर गेट की ओर, पैर टॉयलेट सीट की ओर थे। अल्का उसके बगल में दीवार से सटी बैठी थी। मकान मालकिन ने तत्काल नीचे आकर बेटी से पापा को फोन लगाकर बुलाने और पास में रह रहे डॉक्टर को बुलाने को कहा और खुद ने भी लोगों को बुलाया। अभ्युदय को अस्पताल ले जाया गया।

एम्स भोपाल और महारानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज ने अंतर्राष्ट्रीय महिला

दिवस पर सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल और गवर्नमेंट एमएलबी गर्ल्स पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में लाइफ लाइनः वी मेक लाइफ, नाउ वी लर्न टू सेव लाइफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 300 छात्राओं को सीपीआर तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने में सक्षम हो सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में माननीय विधायक श्रीमती कृष्णा गौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस पहल की लीड कोऑर्डिनेटर डॉ. भूपेश्वरी पटेल, डॉ. रश्मि वर्मा और डॉ. श्रुति दुबे रहीं। प्रशिक्षण सत्र का संचालन डॉ. लिली पोद्दार, डॉ. गीता, डॉ. रंजना वर्मा, साथ ही रेज़िडेंट डॉक्टर्स और नर्सिंग छात्राओं द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित किया गया, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके।

इस प्रशिक्षण कायक्रम के मुख्य उद्देश्य महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तिकरण और समाज सेवा पर विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें संकट की स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया। इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं जीवन बचाने की तकनीकों से परिचित होंगी, तो वे न केवल अपने परिवार और समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेंगी, बल्कि समाज में जागरूकता और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने में भी योगदान देंगी। एम्स भोपाल इस प्रकार की पहलों के माध्यम से चिकित्सा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायक पहल के रूप में उभरा है, जो उन्हें न केवल आत्मनिर्भर बना रहा है बल्कि समाज की सेवा करने के लिए भी प्रेरित कर रहा है।

एम्स भोपाल ने अंगदान जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार रैली में हिस्सा लिया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान ने अंग दान जागरूकता कार रैली में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे स्वास्थ्य जागरूकता और अंग दान को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। यह रैली गांधी मेडिकल कॉलेज एलुमनी ऑर्गेनाइज़ेशन और किरण फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य अंग दान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और अधिक से अधिक लोगों को जीवन बचाने के लिए अंग दान का संकल्प लेने हेतु प्रेरित करना था।

माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज भवन से अंग दान जन जागरूकता कार रैली को हरी झंडी दिखाकर इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की। यह रैली अटल पथ, स्मार्ट सिटी न्यू मार्केट से प्रारंभ हुई और गांधी मेडिकल कॉलेज ,भोपाल में समाप्त हुई, जहां जयंती वर्ष (जुबली ईयर) के दौरान नियोजित प्रमुख पहलों को उजागर करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें माननीय सांसद श्री आलोक शर्मा भी शामिल थे। इसके अलावा, नर्सिंग होम ऑर्गेनाइज़ेशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फिजीशियन फोरम एसोसिएशन, और भोपाल ऑर्थोपेडिक सोसाइटी के सदस्यों ने भी इस नेक पहल में भाग लेकर अंग दान को बढ़ावा देने की अपनी एकजुट प्रतिबद्धता को दर्शाया। एम्स भोपाल से डॉ. भावना शर्मा और डॉ. योगेश निवारिया ने भी इस रैली में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे इस महत्वपूर्ण आयोजन में संस्थान की भागीदारी और मजबूत हुई।

कलेक्टर ने शाहपुर तहसील के ग्रामों का किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को शाहपुर तहसील के ग्रामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी पहावाड़ी ग्राम पंचायत भवन पहुंचे, जहां उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पंचायत भवन में उपस्थित किसानों से चर्चा भी की और उन्हें फार्मर रजिस्ट्री के महत्व, लाभों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों की भूमि संबंधी जानकारी एक जगह पर एकत्रित होकर सुरक्षित रहेगी। जिससे उन्हें शासन की कृषि संबंधित योजनाओं का लाभ निरंतर मिलते रहेगा।

एम्स भोपाल में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम और नेत्र जांच गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। विश्व ग्लूकोमा सप्ताह, जिसे हर साल मार्च के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है, विश्व ग्लूकोमा संघ की एक वैश्विक पहल है, जिसका उद्देश्य इस मूक दृष्टि चोर (साइलेंट थीफ ऑफ साइट) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। ग्लूकोमा किसी को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन 40 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों, ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों या मधुमेह जैसी चिकित्सा स्थितियों से पीड़ित लोगों को इसका अधिक जोखिम होता है। चूंकि ग्लूकोमा अक्सर तब तक पता नहीं चलता जब तक कि दृष्टि को गंभीर नुकसान न हो जाए, नियमित नेत्र जांच प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नेत्र विज्ञान विभाग की प्रमुख, डॉ. भावना शर्मा ने बताया कि इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में अग्रणी नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान, जनजागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक, निःशुल्क ग्लूकोमा जांच शिविर और सोशल मीडिया व समाचार पोर्टलों के माध्यम से जानकारी का प्रसार शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों और ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों के लिए नियमित नेत्र जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रारंभिक पहचान और उपचार के लिए आंखों के दबाव की जांच, दृष्टि क्षेत्र परीक्षण और फंडस परीक्षण जैसी नैदानिक जांच आवश्यक हैं।

इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. सिंह ने कहा, ग्लूकोमा एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रारंभिक चरण में लक्षणों की अनुपस्थिति के कारण अक्सर देर से इसका पता चलता है, जिससे अपरिवर्तनीय अंधत्व हो सकता है। इस पहल के माध्यम से, एम्स भोपाल का लक्ष्य जागरूकता बढ़ाना, जांच को सुलभ बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि जोखिमग्रस्त लोग समय पर जांच कराएं। हम सभी से आग्रह करते हैं कि वे अपनी आंखों की सेहत को गंभीरता से लें और दृष्टि हानि को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाएं। संस्थान नागरिकों से अपनी नेत्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, नियमित नेत्र जांच कराने, ग्लूकोमा के बारे में जानने और समुदाय में जागरूकता फैलाने का अनुरोध करता है।

संभागायुक्त ने ग्राम दौड़ी में चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पेयजल व्यवस्था दुरूस्त करने के दिए निर्देश, लापरवाही पाए जाने पर होगी कार्रवाई

बैतूल। संभागायुक्त के.जी. तिवारी ने सोमवार को बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ शाहपुर तहसील के ग्राम दौड़ी पहुंचकर पेयजल सहित अन्य योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कई मामलों का त्वरित निराकरण भी किया गया। संभागायुक्त श्री तिवारी ने ग्राम में उपलब्ध हैंडपंप और उनकी स्थिति के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों से आंगनवाड़ी संचालन तथा राशन वितरण के संबंध में भी जानकारी ली। वहीं ग्रामीणों के समक्ष ही महिला एवं बाल विकास, खाद्य विभाग एवं विद्युत विभाग की भी समीक्षा की। संभागायुक्त और कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाए जाने का सकारात्मक प्रयास स्थानीय लोगों में चर्चा का विषय बना रहा। ग्रामीण जिला प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते नजर आए।

खराब हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत कराने के दिए निर्देश– ग्राम चौपाल में ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या बताने पर संभागायुक्त श्री तिवारी ने खराब हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत कराने तथा ऐसे हैंडपंप जिनसे गंदा पानी आ रहा है उन हैंडपंपों की पूरी लाइन चेंज कराने, पाइप लाइन बढ़ाने, प्लेटफॉर्म बनाने और वैकल्पिक उपाय यथाशीघ्र कर पेयजल व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों का निरीक्षण कर पेयजल व्यवस्था के संबंध में उनसे बात करें और ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था के संबंध में उन्हें अवगत कराएं। पानी को लेकर ग्रामीणों को परेशान न होना पड़ें। ग्रीष्मकाल में पेयजल की समस्याओं का त्वरित निराकरण कराएं।

प्रतिदिन खुली रहे आंगनवाड़ी– संभागायुक्त श्री तिवारी ने ग्रामीणों से आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का शासन की मंशानुसार प्रभावी ढंग से संचालन किया जाए। साथ ही शासन की मंशा से मैदानी अमलों को भी स्पष्ट रूप से अवगत कराए, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को प्रतिदिन अलर्ट रहने और सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि निर्धारित कार्य दिवसों में कोई भी आंगनवाड़ी बंद न रहे। जिला समन्वयक से आंगनवाड़ी खुलने की जानकारी प्राप्त कर आंगनवाडि़यों की सतत मॉनिटरिंग करें। इस दौरान मैदानी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जनसंख्या के अनुपात में 0 से 3 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पंजीयन कराने, उन्हें पूरक पोषण वितरित कराने सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से राशन वितरण, उपार्जन की ली जानकारी– संभागायुक्त श्री तिवारी ने ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से राशन वितरण की भी जानकारी ली। इसके अलावा खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपार्जन की तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही धान के भुगतान की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिला आपूर्ति नियंत्रक को डीएफओ लागिन से स्टॉक सत्यापन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने, मोबाईल सीडिंग, ई-केवायसी, ई श्रम पोर्टल पर पंजीयन की कार्यवाही भी पूर्ण करने की हिदायत दी।

प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई

सुबह सवेरे सोहागपुर।

कुशवाहा मोर्य क्षत्रिय समाज सोहागपुर के तत्वाधान में आज भारत की पहली महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले जी की पुण्यतिथि मनाई गई । इस अवसर पर संस्थापक सदस्य रामकिशन कुशवाहा, संभागीय अध्यक्ष रविशंकर कुशवाहा,जिलाध्यक्ष कुश. मौर्य क्षत्रिय समाज राजेश कुशवाहा (बाबूजी) वरिष्ठ संरक्षक सर्व श्री गोपाल

शंकर मास्टर साब,संभागीय संयोजक श नर्मदा प्रसाद कुशवाहा, संभागीय उपाध्यक्ष अशोक कुशवाहा, जिला सचिव राजेश मौर्य,जिला सहसचिव अजय मौर्य, महिला मंडल सदस्य श्रीमती ज्योति पटेल, ममता कुशवाहा,माध्यमा मौर्य, राजकुमारी कुशवाहा एवं मातृ शक्ति एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित थे। इस अवसर पर समाजिक बन्धुओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित किया। अतिथियों ने सावित्रीबाई फुले के आदर्शों पर चलने का आव्हान किया।

श्रीकांत पटेल प्रांत सुरक्षा प्रमुख बजरंग दल नियुक्त

सुबह सवेरे सोहागपुर। विश्व हिंदू परिषद मध्यभारत प्रांत की दो दिवसीय प्रांत बैठक गुना में संपन्न हुई । इस बैठक में प्रांत मंत्री राजेश जैन ने श्रीकांत पटेल को प्रांत सुरक्षा प्रमुख के दायित्व की घोषणा की। बैठक में अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांदे, क्षेत्रीय संगठन मंत्री जितेंद्र

पंवार,प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह चौहान,प्रांत मंत्री राजेश जैन,क्षेत्रीय संयोजक विश्ववर्धन भट्ट उपस्थित थे। श्री पटेल के नगरागमन पर स्थानीय मालवीय कॉम्प्लेक्स के सामने आतिशबाजी जलाई गई । वहीं स्नेहियो ने फलफूल मालाओं से स्वागत किया।

इस अवसर पर अधिवक्ता शिव कुमार पटेल,बजरंग दल जिला सह संयोजक रूपेश रघुवंशी,जिला सुरक्षा प्रमुख आशीष पुरोहित,जिला गौ रक्षा प्रमुख नीरज रघुवंशी, सीताराम रघुवंशी, रोहित मालवीय,संजू रघुवंशी,चेतन विहारे, हिमांशु शर्मा,दशरथ रघुवंशी,जितेंद्र राजपूत,मनोहर विश्वकर्मा,पोहप सिंह विश्वकर्मा,सुरेंद्र मालवीय बजरंग दल कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन अभियान परिषद के तत्वावधान में महारानी अहिल्याबाई होलकर पर व्याख्यानमाला का आयोजन

सुबह सवेरे सोहागपुर । जनपद पंचायत सभागार में मप्र जन अभियान परिषद के तत्वावधान में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रानी अहिल्याबाई होल्कर पर व्याख्यान का आयोजन पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सुश्री राजो मालवीय,प्रमुख वक्ता आनंद दुबे सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता, समाजसेवी जीवन दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस अवसर पर विशेष अतिथि जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक कोशलैश तिवारी, ज्ञानी सुरजीतसिंह अधिवक्ता शिवकुमार पटैल,जनपद सीईओ संजय अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी विशाल गोलानी ने किया। छात्रा शिवनी मेहरा ने अतिथियों को तिलक लगाकर स्वागत किया। पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सुश्री राजो मालवीय ने महिलाओं को झांसी की रानी की कहानी सुना कर अपने देश अपनी माटी की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहने का आव्हान किया। आनंद दुबे ने रानी अहिल्याबाई होल्कर की जीवन की घटनाओं की जानकारी दी। जीवन जी दुबे ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं का सम्मान हो। इसके लिए महिलाओं को भी समाज में अपनी पहचान बनाना हो। अच्छा पढ़ने के साथ आत्म रक्षा के गुणों को सीखना होगा । इसी अवसर पर जन

अभियान परिषद द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानंद के चित्र को समाजसेवी विशाल गोलानी ने जनपद पंचायत सीईओ संजय अग्रवाल को प्रदान की गई। विशाल गौलानी समाजसेवी द्वारा संचालन की भूमिका अदा की । कार्यक्रम में आग्रह पर संभाग समन्वयक कोशलैश तिवारी ने महिला एवं पुरुष को परिभाषित करके विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि समाज से कुछ लोगों ने संघर्ष से सफलता के शिखर को छूने का संकल्प लिया है । हमें अपनी पहचान ऐसी बनानी होगी । जिसे देख समाज के अन्य वर्ग भी आत्मसात करें। अतिथियों ने जन अभियान परिषद द्वारा प्रदत्त श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां लता मौर्य करनपुर,किरण कुशवाहा तारणहार सोहागपुर,स्वाती दुबे को भेंट कर सम्मानित किया । कार्यक्रम का आयोजन जन अभियान परिषद विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले के द्वारा किया गया। जिसमें निर्मल विकास सेवा समिति करनपुर, नवरंग युवा मंडल एवं मगध शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति.रही।

कार्यक्रम में साहिल टिलोटीया सचिन विश्वकर्मा, मंजु पंवार, निशा चौरसिया, श्याम सिंह मीना, संदेश मिश्रा हरिदास, मदन लाल आदि उपस्थित थे। गजेंद्र ठाकुर ने अंत में आभार व्यक्त किया।

मंदिरम् 55

श्री दक्षिणामुख नंदी तीर्थकल्याणी

श्री दक्षिणामुख नंदी तीर्थकल्याणी क्षेत्र एक छोटा मंदिर है जो गंगम्मा मंदिर के सामने और कडु मल्लेश्वर मंदिर के तिरछे विपरीत दिशा में, दूसरे टेंपल स्ट्रीट, मल्लेश्वरम लेआउट, बैंगलोर शहर के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। इस मंदिर को नंदी तीर्थ, नंदीश्वर तीर्थ, बसवा तीर्थया बस मल्लेश्वरम नंदी गुड़ी के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के मुख्य देवता शिव हैं, जो शिवलिंग (लिंगम) के रूप में स्थापित हैं। यह मंदिर 1997 में पुन: खोजा गया था, जब यह 400 वर्षों से जमीन के नीचे दबा हुआ था। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण एक अनोखी पत्थर की नंदी प्रतिमा है, जो दक्षिण दिशा की ओर स्थित है - कन्नड़ में इसे दक्षिणा कहा जाता है। 'दक्षिणामुख नंदी' का अर्थ है 'दक्षिण की ओर मुख वाला नंदी'। नंदी के मुख से लगातार पानी की धारा बहती रहती है, जिसे पवित्र जल माना जाता है और कन्नड़ में इसे 'तीर्थ' कहा जाता है। नंदी के मुख से निकलने वाला यह जल शिवलिंग पर गिरता है और मंदिर के मध्य में बने सीढ़ियों वाले कुंड में बहता है, जिसे कन्नड़ में 'कल्याणी' या मंदिर का कुंड कहा जाता है। कन्नड़ में 'क्षेत्र' का अर्थ 'स्थान' होता है और यह अक्सर किसी ऐतिहासिक या धार्मिक महत्व के स्थान का उल्लेख करने के लिए प्रयोग किया जाता है। उपरोक्त सभी तत्वों का संयोजन मिलकर मंदिर के आधिकारिक नाम को पूरा करता है।

सीधी में टैंकर-जीप की टक्कर, 9 की मौत

12 लोग घायल, 7 की हालत गंभीर, मुंडन संस्कार में मैहर जा रहे थे

सीधी (नप्र)। सीधी में टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है। हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।तूफान जीप में 21 लोग सवार थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं।

डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

परिजन श्याम बिहारी साहू ने कहा-रात में मैहर के लिए निकले थे। उपनी पेट्रोल पंप पर ड्राइवर ने डीजल भरवाया। इसके थोड़ी ही देर बाद हादसा हो गया।

हादसे में इनकी गई जान

- कुंजलाल साहू पिता लखपत साहू, उम्र 32 वर्ष, निवासी पड़रिया थाना बहरी जिला सीधी
- एतवरिया साहू पति राजमन साहू, उम्र 48 वर्ष, निवासी पड़रिया थाना बहरी जिला सीधी
- गंगा साहू पिता सहदेव साहू, उम्र 60 वर्ष, निवासी अमिलिया, सीधी
- एतवरिया साहू पति दीनदयाल साहू, उम्र 50 वर्ष, निवासी देवरी थाना बहरी जिला सीधी
- सुखरजुआ पति श्यामलाल साहू, उम्र 34 वर्ष, निवासी देवरी थाना बहरी जिला सीधी
- फूलकली साहू पति तीरथ साहू, उम्र 50 वर्ष, निवासी देवरी जिला सीधी
- सुशीला साहू पति लालमन साहू, उम्र 40 वर्ष, निवासी देवरी जिला सीधी
- शिवकुमार साहू पिता राजमणि साहू, उम्र 28 वर्ष, निवासी पड़रिया थाना बहरी जिला सीधी

सावधानी और सतर्कता रखें वाहन चालक, नींद और आराम का ध्यान रखना भी जरूरी : सीएम

मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की सहायता देने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले के उपनी गांव के समीप देर रात सड़क दुर्घटना में आठ श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2-2 लाख रुपए, गंभीर घायलों को एक-एक लाख एवं सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि देर रात पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों के इलाज का प्रबंध किया और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को रीवा रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के साथ शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए भगवान महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस अथाह दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य लाभ की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि मैहर माता के दर्शन करने जा रहे यात्री वाहन और ट्रक की रविवार को देर रात हुई भयानक टक्कर में आठ यात्रियों की मृत्यु हो गई।

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश विधानसभा में राज्यपाल और विधानसभा में अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ग्वालियर में अम्मा महाराज की छतरी पहुंचकर स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर हुई भजन संध्या में शामिल हुए।

ग्वालियर में कैटरर की हत्या के बाद बेटा लापता

हर घाव में कई बार सूजा घोंपा, घुमाया था, बहन से बातचीत पर आरोपियों ने धमकाया था

ग्वालियर(नप्र)। ग्वालियर में चार दिन पहले हुई कैटरर (हलवाई) जुगराज सिंह की हत्या में पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है, लेकिन पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट से हत्या की बर्बरता का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपियों ने जुगराज की पीठ, पेट, सीने और गर्दन पर बेरहमी से कई बार बर्फ तोड़ने वाला सूजा घोंपा था। मृतक के शरीर पर एक दर्जन से अधिक गहरे घाव पाए गए हैं, जिससे साफ है कि हमलावर लगातार वार करते रहे। पुलिस जांच में पता चला है कि मृतक के बेटे का आरोपियों की बहन से बातचीत थी, जो उन्हें पसंद नहीं था। तीन दिन पहले ही आरोपियों ने उसे धमकाया और मारपीट की थी। हत्या के बाद से मृतक का बेटा लापता था, लेकिन अब परिजनों को उसकी लोकेशन मिल गई है। पिता की हत्या के बाद वह बेहद डरा हुआ है।

पुलिस को आरोपियों से जुड़े कुछ अहम सुराग मिले हैं और दावा किया जा

जुगराज सिंह भदौरिया, मृतक

रहा है कि उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद इस हत्याकांड की अनसुलझी परतें भी खुलेंगी।

3 मार्च की शाम को सीने में सूजा घोंपकर की थी हत्या- शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के रविदास नगर निवासी 45 वर्षीय जुगराज सिंह भदौरिया पेशे से कैटरर थे और अपनी कैटरिंग सर्विस चलाते थे। 4 मार्च की शाम जब वे अपने घर से बाइक लेकर निकले, तो महज 100 मीटर दूर ही पहुंचे थे कि वहां कृष्णा चौहान उर्फ करुआ और उसके भाई शुभम उर्फ शराफी चौहान ने उन्हें देखते ही गालियां देना शुरू कर दिया। जुगराज और आरोपियों के बीच पहले से रंजिश चल रही थी।

जब जुगराज ने गालियों का विरोध किया, तो कृष्णा ने पास रखा बर्फ तोड़ने का लोहे का सूजा निकाला और बेरहमी से जुगराज के सीने में घोंप दिया। इतना ही नहीं, उसने कई बार सूजा निकालकर दोबारा वार किया। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, तो कृष्णा और शुभम वहां से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही जुगराज के भाई व अन्य परिजन पहुंचे और घायल को लेकर सीधे बहोड़ापुर थाने पहुंचे। पुलिस ने गंभीर हालत देखते हुए तुरंत जुगराज को जेएएच के ट्रॉमा सेंटर भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की बर्बरता का खुलासा

म.प्र. के 9वें टाइगर रिजर्व में नए मेहमान का आगमन

माधव नेशनल पार्क में सीएम यादव और सिंधिया ने पन्ना से लाई बाघिन को छोड़ा

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी का माधव नेशनल पार्क अब मध्य प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व बन गया है। सोमवार को सीएम डॉ मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने इसकी शुरुआत करते हुए लोगो का अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी में माधव टाइगर रिजर्व के लोकार्पण अवसर पर बाघिन को प्राकृतिक आवास में छोड़ा।

टाइगर रिजर्व पहुंचे सिंधिया ने खुद सेलिंग क्लब से सात किलोमीटर दूर वॉच टॉवर तक सफारी गाड़ी ड्राइवर की, जिसमें सीएम मोहन यादव भी बैठे रहे। इसी जगह से 3 साल की बाघिन को जंगल में छोड़ा गया।

इसके साथ ही 13 किलोमीटर लंबी सुरक्षा दीवार का लोकार्पण भी किया गया। टाइगर रिजर्व शिवपुरी शहर के नजदीक है, लिहाजा ये दीवार नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच की तरह होगी।

माधव टाइगर रिजर्व में बढ़ेगी बाघों की संख्या

माधव नेशनल पार्क को पहले ही टाइगर रिजर्व का दर्जा मिल चुका है। यहां दो मादा और एक नर बाघ

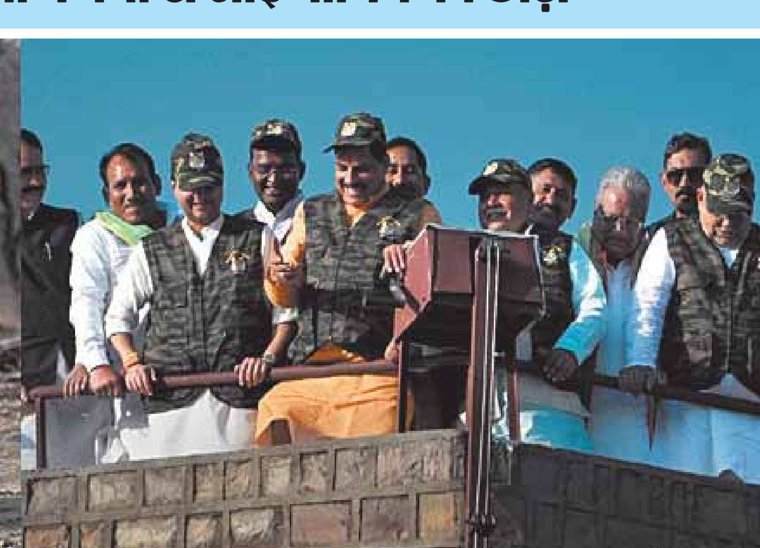

पहले से मौजूद हैं, जिनमें से एक मादा ने दो शावकों को जन्म दिया है। अब एक मादा बाघ को आज (10 मार्च) छोड़ा गया है, जबकि दूसरे नर बाघ को हफ्ते भर में छोड़े जाने के बाद यहां कुल सात बाघ हो जाएंगे।

10 मार्च 2023 को छोड़े गए थे 3 टाइगर- बता दें 27 साल पहले माधव नेशनल पार्क में कई टाइगर थे, लेकिन वो धीरे-धीरे विलुप्त हो गए। 10 मार्च 2023 को यहां पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तीन टाइगर छोड़े थे। इसके बाद पीएम मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को सिंधिया ने दो शावकों के जन्म लेने की फोटो जारी कर खुशी जाहिर की थी।

विनोद तिवारी आदि गौड़ बाबीसा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

धर्मेंद्र शास्त्री महासचिव निर्वाचित

धर्मेंद्र शास्त्री विनोद तिवारी

भोपाल। आदि गौड़ बाबीसा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री के चुनाव 9 मार्च 2025 को उज्जैन के नरसिंह घाट स्थित शंकराचार्य मठ में आयोजित हुए। अध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशियों में भोपाल के श्री विनोद तिवारी ने इंदौर श्री मनोज व्यास को 19 मतों से पराजित किया। इसी प्रकार महामंत्री पद के लिए 3 प्रत्याशियों में भोपाल के आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने उज्जैन के श्री सुनील जोशी को 10 मतों पराजित किया। चुनाव में समाज की भोपाल,इंदौर,खंडवा,धार, बुरहानपुर, सीहोर, रावेर, मुंबई, रायपुर, झालावाड़, अकलेरा,कोटा सहित मध्यप्रदेश , राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट्र की 34 शाखाओं के 232 प्रतिनिधियों ने मतदान किया। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र व्यास तथा पूर्व शिक्षा मंत्री म. प्र .शासन दीपक जोशी ने विजयी प्रत्याशियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं है।

कलेक्टर की रवानगी तय, कांग्रेस नेता होंगे खुश

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

ग्वालियर-चंबल संभाग के एक प्रमोट आईएएस कलेक्टर की रवानगी अब सुनिश्चित मानी जा रही है। कलेक्टर की कर प्रणाली को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने तल्ख टिप्पणी की है और मुख्य सचिव को पत्र भेज कर पूछा है क्या ऐसे अधिकारी को फील्ड में रहना चाहिए, तय करें ? इसके बाद यह माना जा रहा है कि कलेक्टर की रवानगी जल्द होने वाली है। हाई कोर्ट के इस रुख से देखा जाए तो कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बहुत खुश होंगे। कांग्रेस के सीनियर नेता ने विधानसभा चुनाव के दौरान कलेक्टर के खिलाफ जमकर मोर्चा खोला था और चुनाव आयुक्त तक इसकी शिकायत की थी। कांग्रेस के सीनियर लीडर ने यहां तक चेतावनी दी थी कि हमारी सरकार बनी तो सबसे पहले कलेक्टर को सबक सिखाएंगे, लेकिन कांग्रेस नेता न केवल चुनाव में हारे और कलेक्टर को टस से मस भी नहीं कर सके। अब कांग्रेस नेता और उनके समर्थक कोर्ट की तल्ख टिप्पणी से खुश नजर आ रहे हैं। बता दे कि पिछले दिनों कलेक्टर पर खनन माफिया ने हमला भी किया था जिसमें वह बाल बाल बच गए थे।

मंत्री के विरोध में उतरी मायावती

भीख मांगने वाले बयान को लेकर मोहन सरकार के मंत्री प्रह्लाद पटेल की मुश्किले बढ़ती ही जा रही है। मंत्री बयान को लेकर जहां तहाँ सफाई देते घूम रहे हैं और बोल रहे हैं कि मैं, नर्मदा परिक्रमा वासी हूं और खुद भिक्षु हूं। वहीं विरोध के स्वर अब प्रदेश से पड़ोसी राज्य तक पहुंच गये है। अब मंत्री के बयान को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी यूपी के लखनऊ में विरोध जता दिया है। मायावती ने मंत्री के बयान को जातिवादी सोच प्रदर्शित करने वाला और शर्मनाक बताया है। वही पार्टी ने भी मंत्री के बयान से आप किनारा कर दिया है केवल मंत्री के समाज वाले ही उनके समर्थन में खड़े हैं।

विस प्रमुख सचिव होगा कौन ?

मध्य प्रदेश विधानसभा के इसी माह रिटायर्ड हो रहे प्रमुख सचिव एपी सिंह की जगह कौन लेगा ? इसको लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। प्रमोशन पर रोक की वजह से विधानसभा में पात्रता वाले अफसरो का अभाव है। यही वजह है कि राज्य विधानसभा में सचिव के पद पर लोकसभा सचिवालय से प्रतिनियुक्ति पर आये अधिकारी पदस्थ हैं। पिछले दिनों प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारी सचिव का विधानसभा में संविलियन भी हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि प्रमुख सचिव श्री सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद सचिव को विधानसभा का नया प्रमुख सचिव बनाया जा सकता हैं। बता दे कि राज्य विधानसभा में 2 साल की सेवा वृद्धि का प्रावधान है। प्रमुख सचिव एपी सिंह 2 साल की सेवा वृद्धि पर है जो 31 मार्च को समाप्त हो रही है।

30 हजार से अधिक प्रकरण अदालतों में !

इन दिनों प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ न्यायाधीशों द्वारा दी गई टिप्पणी और फटकार की खबरें आ रही है। कहीं कलेक्टर पर अवमानना की तलवार लटकी है तो कहीं कलेक्टर को कोर्ट ने अक्षम अधिकारी बता दिया है। इन सबके बीच एक अधिकारी पर तो 200 से ज्यादा अवमानना के प्रकरण की जानकारी पता चली हैं। राज्य शासन भले ही समय-समय पर समयावधि के भीतर अदालतों में अपील और जवाब दावा प्रस्तुत करने की हिदायत देती है लेकिन राज्य शासन का स्कूल शिक्षा विभाग ऐसा है, जहां 30 हजार से अधिक प्रकरण प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में लंबित है। इन प्रकरणों में से एक प्रकरण में हाईकोर्ट ने लोक शिक्षण संचालनालय की कमिश्नर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। प्रकरण की सुनवाई के दौरान सामने आया कि कमिश्नर पर 200 से ज्यादा अवमानना के प्रकरण भी है।

माया ने सरकार को क्यों घेरा

नर्मदा नदी में अवैध रेत खनन का मामला अब राज्यसभा में गूंजा है। इस मामले को किसी विपक्षी सांसद ने नहीं बल्कि भाजपा की राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने ही उठाया। सोमवार को राज्यसभा में सांसद नारोलिया ने नर्मदा नदी में अवैध रेत खनन, डेढ़ दर्जन जिलों से होकर गुजरने वाली नर्मदा नदी के बेसिन में पेड़ की बेजा कटाई का मसला उठाया। सांसद के सदन में इस रूख से सरकार ही नहीं पार्टी भी हैरान है। राज्य सरकार के शीर्ष में बैठे नेतागण सांसद के इस बयान पर चुप्पी साधे है लेकिन उनके बयान की चर्चा खूब हो रही है। नेतागण का कहना है कि सांसद ने अपनी पार्टी की सरकार पर आखिर निशाना क्यों साधा है?